संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 296
पृष्ठ 8
गुरूवार
16 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हाथ-पैरों की मांसपेशियों में बना..

विचार- यू.पी. चुनाव के लिए भाजपा व विपक्ष...

खेल- इंग्लैंड-अर्जेंटीना सेमीफाइनल में...

विश्व युवा कौशल दिवसःयोगी बोले-

हमने 9 लाख युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरी दी :मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (संवाददाता)। विश्व युवा कौशल दिवस–2026 पर बुधवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कौशल सारथी और कौशल सेतु मॉड्यूल भी लॉन्च और कौशलम पुस्तिका का विमोचन किया। विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री उच्च वेतन पर नियुक्ति पाने वाले व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 युवा आइकॉन को सम्मानित भी किया। साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने वाले राजकीय आईटीआई, प्रशिक्षण प्रदाताओं और प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया।

इस मौके पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि पूरी दुनिया के लिए यूपी और सीएम का काम मॉडल है। यूपी में निवेश बढ़ा है, इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है। यहां प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं का आज सम्मान होगा। अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। स्वावलंबन प्राप्त करें। पीएम मोदी ऊर्जा और आतंकवाद के विरोध ा की बात करते हैं। साथ ही युवाओं को स्वावलंबन देने की बात जरूर करते हैं। यह आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया के तहत इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप स्किल मैन पावर दे रहे हैं। 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। 10 हजार को जॉब दिलाई। सीएम योगी ने स्किल के लिए 3300 करोड़ का बजट किया है। टाटा ग्रुप के साथ एमओयू हुआ है। नई तकनीकी के साथ युवाओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के नाते इस बात की खुशी होती है कि सबसे ज्यादा युवा फोर्स हमारे पास है। इस स्केल को स्किलिंग से जोड़कर हम यूपी को आगे बढ़ा रहे हैं। आज जो युवा हैं वो 2017 से पहले आप सब बच्चे थे। उस समय माता–पिता अपने बच्चों को किसी भी अपशगुन से बचाते हैं। लेकिन, उस समय की सरकार ही सबसे बड़ी अपशगुन थी। न स्किल थी, न स्कूली शिक्षा। सब नदारत थे। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी सुरक्षित था। युवाओं के आगे पहचान का संकट था। कोई बच्चा किसी तरह पढ़ाई कर लेता था तो यूपी में नौकरी नहीं थी।

भारत और ब्रिटेन के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा

सीईटीए समझौते पर बोले प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के आर्थिक संबंधों के लिहाज से बुधवार का दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौता आधिकारिक तौर पर लागू हो गए हैं। इस ऐतिहासिक कदम के तहत अब भारत से ब्रिटेन जाने वाले लगभग 99 प्रतिशत निर्यातों को जीरो–ड्यूटी (शून्य–शुल्क) के साथ बाजार पहुंच हासिल होगी, जो कुल व्यापार मूल्य का लगभग 100 प्रतिशत कवर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों की साझेदारी में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है जो द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह साझा महत्वाकांक्षाओं को हमारे लोगों के लिए वास्तविक और ठोस अवसरों में बदलने का काम करेगा। उन्होंने रेखांकित

किया कि यह क्षण दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश एवं नवाचार द्वारा संचालित एक मजबूत और भविष्योन्मुखी साझेदारी बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करता है। पीएम ने कहा, भारत–यूनाइटेड किंगडम साझेदारी में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है! व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और भी गहरे होने वाले हैं। ये समझौते मिलकर हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हमारे लोगों के लिए ठोस अवसरों में तब्दील करते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि सीईटीए किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई को नई गति प्रदान करेगा, इसके अलावा कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार तक मजबूत पहुंच प्राप्त होगी। पीएम मोदी के अनुसार, सीईटीए हमारे किसानों, उद्यमियों और लघु व मध्यम उद्यमों को नई गति प्रदान करेगा। कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। यह प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार में सहयोग को भी गहरा करेगा, साथ ही कुशल भारतीय प्रतिभाओं की गतिशीलता को बढ़ावा देगा। सामाजिक सुरक्षा समझौता यूके में अस्थायी रूप से काम कर रहे भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा और भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष पीटर काइल और दोनों देशों की वार्ताकार टीमों को इस परिवर्तनकारी समझौते को धरातल पर उतारने के लिए धन्यवाद दिया।

पैसों के लेनदेन में दो पक्षों में खूनी संघर्ष

बुलंदशहर,संवाददाता। बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद में पैसों के लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई है, जिसमें अजब सिंह और सोनू की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। वारदात की जानकारी होते ही एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर, डीआईजी मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी और एसएसपी समेत पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच दर्जनभर से अधिक राउंड फायरिंग होने की बात सामने आई है। दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। एसएसपी दिनेश कुमार ने वारदात की जानकारी देते हुए बताया कि यह थाना सिकंदराबाद के निजामपुर गांव में हुई, जिसमें दोनों पक्षों से दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी सामने आई है कि सिकंदराबाद के रहने वाले उत्तम शर्मा से पैसों के लेनदेन के मामले में प्रशांत नाम के लड़के से कहासुनी शुरू हुई थी। इसी दौरान दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, फिर मारपीट की गई, इसके बाद फायरिंग हुई। वारदात में दोनों पक्ष से एक–एक शख्स की मौत हो गई है। एसएसपी ने आगे बताया कि एक पक्ष के अजब सिंह की मौत हो गई है और इसी पक्ष के रतन और अरविंद घायल हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। दूसरे पक्ष से सोनू के बारे में बताया जा रहा है कि उसके ऊपर गाड़ी चढ़ाई गई, जिससे घायल होकर उसकी भी मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी शामिल हैं, उनका पता कराया जा रहा है, उन सब के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बुलंदशहर जिले के खुर्जा देहात में हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। जवाबी फायरिंग में आरोपी लोकेश के पैर में गोली लगी है। जान मोहम्मद की हत्या के मामले आरोपी की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने आरोपी के पास से तमंचा, कारतूस और मृतक का मोबाइल फोन बरामद किया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हाईकोर्ट की सुक्खू सरकार को कड़ी फटकार

मंडी हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय देऊरी प्रकरण में राज्य सरकार के ढुलमुल रवैये पर कड़ा रुख अपनाते हुए एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। कुंजलाल बनाम हिमाचल प्रदेश सरकार एवं अन्य मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने तीखे सवाल किए कि जब स्कूल का नया भवन पूरी तरह बनकर तैयार है, तो विद्यार्थियों को वहां स्थानांतरित क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्हें आधुनिक सुविधाओं से वंचित रखकर पुरानी जगह पर क्यों बिठाया जा रहा है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 22 जुलाई 2026 को तय की गई है। गौरतलब है कि मंडी जिला का यह स्कूल साल 2023 में आई भीषण प्राकृतिक आपदा और भारी तबाही में पूरी तरह बह गया था, जिसके बाद सरकार ने छात्रों के भविष्य को देखते हुए नए भवन का निर्माण करवाया था, लेकिन इसके उद्घाटन को लेकर अब भारी राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है। विवाद तब और गहरा गया जब बीते 5 जुलाई 2026 को प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर खुद नए भवन की प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने स्कूल पहुंचे थे। हालांकि कथित तौर पर ऐन मौके पर आए एक फोन कॉल के बाद पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया और बच्चों की शिफ्टिंग टाल दी गई। राजनीतिक गलियारों और प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा आम है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू इस नवनिर्मित भवन का उद्घाटन अपनी केंद्रीय नेता प्रियंका वाड्रा से ही करवाना चाहते हैं, जिसके लिए पहले भी उन्हें आमंत्रित किया गया था पर व्यस्तता के कारण उनका कार्यक्रम नहीं बन पाया।

केंद्रीय कैबिनेट के बड़े फैसले:

वाराणसी में बनेगा 6-लेन ग्रीनफील्ड एलिवेटेड कॉरिडोर, 2.19 लाख करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में देश के बुनियादी ढांचे, रेलवे, कृषि और सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। कुल 2,19,353 करोड़ रुपये के निवेश वाले इन प्रस्तावों का उद्देश्य देश में कनेक्टिविटी मजबूत करना, औद्योगिक विकास को गति देना और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। बैठक के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एनएच–19 और वाराणसी रिंग रोड के बीच 46.039 किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 14,447.64 करोड़ रुपये होगी। इसे हाइब्रिड

एन्युटी मॉडल (एचएएम) के तहत विकसित किया जाएगा। इस परियोजना में छह लेन का एलिवेटेड मार्ग, आधुनिक केबल–स्टे ब्रिज, एक्स्ट्राडोज्ड ब्रिज, रैंप, लूप, सर्विस रोड और लिंक रोड का निर्माण किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इससे वाराणसी शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और राष्ट्रीय राजमार्ग से निर्बाध संपर्क स्थापित होगा। कैबिनेट ने वरुणा नदी के किनारे एनएच–31 और वाराणसी रिंग रोड को जोड़ने वाले 43.218 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर को भी मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 10,998.32 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस कॉरिडोर में 6ध्4 लेन सड़क, फ्लाईओवर, रैंप, लूप और सर्विस रोड का निर्माण होगा। परियोजना पूरी होने के बाद वाराणसी में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होने और यात्रा समय कम होने की उम्मीद है। रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए कैबिनेट ने कई अहम फैसले लिए हैं। पारादीप–हरिदासपुर रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए 2,542 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं डांगोआपोसी–राजखरसावां रेलखंड पर चौथी लाइन बिछाने के लिए 1,365 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से औद्योगिक माल ढुलाई तेज होगी और लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के लिए राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति–2026 को भी मंजूरी दी गई है। इस नीति का उद्देश्य घरेलू स्तर पर यूरिया उत्पादन बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध ा कराना है। कैबिनेट ने तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेमीकंडक्टर 2.0 योजना के लिए 1,27,500 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है।

दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक की स्थिति पर जताई चिंता

नयी दिल्ली लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर दायर जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट गुरुवार को सुनवाई करेगा। जंतर–मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए अदालत में याचिका दाखिल की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि मामले की तात्कालिकता को देखते हुए सुनवाई जल्द जरूरी है। सोनम वांगचुक 28 जून से जंतर–मंतर पर चल रहे प्रदर्शन में शामिल हुए थे और तभी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। यह प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) की ओर से नीट में कथित अनियमितताओं के विरोध और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर किया जा रहा है। याचिकाकर्ता राकेश कुमार सैनी ने अदालत में कहा कि स्थिति बेहद गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक नागरिक अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से अनशन कर रहा है, जिससे उसके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। जनहित याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि संबंधित अधिकारियों को वांगचुक की मदद करने और उनसे बातचीत करने के निर्देश दिए जाएं। इसके अलावा याचिका में जरूरत पड़ने पर वांगचुक को जबरन भोजन कराने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट विधिज्ञ परिषद (बार एसोसिएशन) के कार्य बहिष्कार के चलते संबंधित प्राधिकरणों की ओर से कोई प्रतिनिधि अदालत में उपस्थित नहीं हो सका। इसके बाद पीठ ने सुनवाई को एक दिन के लिए टाल दिया। अदालत ने आदेश की प्रति संबंधित अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल और दिल्ली सरकार के वकील को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। अब सभी की नजर गुरुवार को होने वाली सुनवाई पर है।

जयराम रमेश बोले- देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा

नयी दिल्ली,एजेंसी। जून महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्लयूपीआई) आधारित महंगाई दर में बढ़ोतरी के बाद कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई, कृषि क्षेत्र की चुनौतियां और उद्योगों पर बढ़ता लागत का दबाव देश की अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आर्थिक हालात और गंभीर हो सकते हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी अपने बयान में कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से सरकार को आर्थिक संकेतकों को लेकर आगाह करती रही है, लेकिन सरकार ने इन चेतावनियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई का असर आम लोगों, किसानों और उद्योगों पर साफ दिखाई दे रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बढ़ती कीमतों के कारण आम नागरिकों की घरेलू अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। उनका दावा है कि महंगाई और बेरोजगारी की दोहरी चुनौती ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। वहीं किसानों को प्रतिकूल मौसम और बढ़ती लागत दोनों का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने यह भी कहा कि उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ सकता है। जयराम रमेश के अनुसार, सरकार को महंगाई नियंत्रित करने और आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए कदम उठाने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के 'रेप की कोशिश' फैसले पर उठाए गंभीर सवाल, कहा

नियम भारत के सामाजिक ताने-बाने को दर्शाने वाले होने चाहिए

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाने से पहले पूरी तरह से रिसर्च न किए जाने पर चिंता जताई है। कोर्ट को बताया गया कि पटना हाई कोर्ट ने माना था कि किसी महिला की सलवार उतारने की कोशिश करना और उसकी छाती दबाकर शारीरिक छेड़छाड़ करना 'रेप की कोशिश' (attempt to rape) का अपराध नहीं माना जाएगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि वह पटना हाई कोर्ट के हालिया फैसले की समीक्षा करके एक विस्तृत आदेश जारी करेगी। मंगलवार को एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट को पटना हाई कोर्ट के इस आदेश के बारे में जानकारी दी।

यह जानकारी इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले पर स्वतः संज्ञान (suo motu) लेकर की जा रही सुनवाई के दौरान दी गई, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पजामे का नाड़ा खोलना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना रेप की कोशिश के अपराध के दायरे में नहीं आता है। सुनवाई के दौरान, बेंच ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी की एक्सपर्ट कमेटी द्वारा पेश की गई उस रिपोर्ट को मंजूरी दी, जिसमें यौन अपराध के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता से जुड़े दिशा–निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी अदालतों को निर्देश दिया कि वे उसके द्वारा मंजूर की गई हैंडबुक या गाइडलाइंस में इस्तेमाल किए गए शब्दों का सख्ती से पालन करें।

इससे पहले इस साल, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी को निर्देश दिया था कि वह यौन अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता और सहानुभूति लाने के लिए व्यापक गाइडलाइंस का ड्राफ्ट तैयार करे।

बेटे को धमकाकर घर से मंगवाए जेवर, तीन पर आरोप

प्रयागराज। क्षेत्र के लोचनगंज मोहल्ले के एक व्यक्ति ने तीन लोगों पर अपने 12 वर्षीय बेटे को जान से मारने की धमकी देकर घर से नकदी और लाखों रुपये के जेवर मंगवाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने फूलपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित लालजी केशरवानी ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उनके बेटे को धमकाकर कई बार घर से नकदी मंगवाई। बीते 30 जून को किशोर से घर में रखे लाखों रुपये के जेवर भी निकलवा लिए। उनका आरोप है कि कुछ दिन पहले आरोपी बेटे को प्रयागराज भी ले गए थे, जहां से पुलिस की सूचना पर वह सकुशल वापस मिला था। इसके बावजूद उसे लगातार धमकाया जाता रहा। किशोर ने 10 जुलाई को मुंबई से आए अपने मामा के सामने पूरी घटना बताई। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी फूलपुर ने बताया कि तहरीर मिली है, मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डांडो गांव के रोहित की थी रेलवे ट्रैक पर मिला शव

प्रयागराज। भरहा गांव के सामने रेलवे पटरी के किनारे सोमवार सुबह मिले अज्ञात शव की पहचान डांडो गांव निवासी 60 वर्षीय रोहित लाल पटेल के रूप में हुई। पहचान होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि रोहित लाल सोमवार सुबह करीब सात बजे घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। वह खेती–किसानी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। परिवार में पत्नी रामरती, तीन बेटे और तीन बेटियां हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी गांव रणविजय सिंह ने बताया कि मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। मामले की जांच की जा रही है।

दरवाजे में फंदे के सहारे लटकती मिली किशोरी, मौत

प्रयागराज। हंडिया क्षेत्र के दुसौती गांव निवासी जीत लाल गौतम की बेटी प्राची गौतम (14) की लाश सोमवार की देर

रात दरवाजे में साड़ी के फंदे से लटकती मिली। पिता ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राची के मौत के कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच में जुटी है।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार महिला की मौत, अधेड़ घायल

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना के मिर्जापुर राजमार्ग स्थित डेज मेडिकल रिंग रोड चौराहे पर मंगलवार दोपहर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। जबकि बाइक चालक अधेड़ घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतका मेजा थाना क्षेत्र के बलुहा गांव में अपनी बहन के यहां आई थी।

कानपुर नगर के कल्याणपुर राजर्षी उन्नयन बस्ती निवासी मीना देवी (54) पत्नी स्व. सेमुवन सिंह कुछ दिनों पहले मेजा थाना क्षेत्र के बलुहा गांव निवासी अपनी बहन गीता देवी पत्नी स्व. छोटे लाल निषाद के यहां आई थीं। मंगलवार को वह मेजा के सेमरन टिकुरी निवासी राम सागर पटेल (56) पुत्र जगदीश प्रसाद पटेल के साथ बाइक से शहर किसी काम से जा रही थीं।

जैसे ही वह डेज मेडिकल के पास रिंग रोड चौराहे पर पहुंची कि पीछे से आ रही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस दौरान ट्रक के पिछले पहिये की चपेट में आने से मीना देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, राम सागर पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। मृतका के तीन पुत्र व एक पुत्री है। थानाध्यक्ष औद्योगिक क्षेत्र कमलेश कुमार पटेल ने बताया कि नंबर के आधार पर ट्रक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। चालक को हिरासत में लिया गया है।

नो एंट्री पर भी राजमार्ग पर चलते हैं भारी वाहन

राजमार्ग पर सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुबह पांच से रात दस बजे तक नो एंट्री है। मिर्जापुर राजमार्ग पर नो एंट्री के वक्त रामपुर चौराहे पर वाहनों को रोक दिया जाता है। वहीं रीवा राजमार्ग पर मामा भांजा के पास बड़े वाहनों को रोका जाता है। नो एंट्री के बाद भी प्रतिबंधित क्षेत्र में बड़े वाहन दिन भर गुजरते हैं। बीते दिनों नए यमुना पुल पर सहायक पुलिस आयुक्त करछना के नेतृत्व में चले अभियान के तहत ऐसे कई बड़े वाहनों का चालान किया गया था, जो नो एंट्री के समय शहर की ओर जा रहे थे।

नम आंखों से लोगों ने दी दोस्तों को विदाई

प्रयागराज। सड़क हादसे में दो दोस्तों का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। दोनों शवों का शृंग्वेरपुर घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। सोमवार की रात हंडिया–कानपुर हाईवे के रानीगंज के सामने ट्रेलर की चपेट में आने से कौड़िहार के नेम तिवारी का पुरा निवासी सुनील कुमार पांडे उर्फ मस्ते और कौड़िहार चौराहा निवासी राजकुमार मोदनवाल की मौत हो गई थी। मंगलवार को विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने परिजनों को ढांढ़स बंधाया। इस मौके पर विनोद कुमार ओझा, बच्चा शुक्ला, राजू पाल, प्रमोद मौर्या और अनिल कुमार शुक्ला आदि रहे।

ससुराल में बमबाजी और फायरिंग मामले के आरोपी के मुंबई भागने की आशंका

युवक ने भाई और दोस्त के साथ फेंके थे बम

प्रयागराज। प्रयागराज में ससुराल पहुंचकर युवक ने भाई व दोस्त के साथ बम फेंके। युवक पर फायरिंग का भी आरोप है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी के मुंबई भागने की आशंका है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

प्रयागराज के जीटीबी नगर में रविवार रात ससुराल में बमबाजी और फायरिंग के मामले के आरोपी राजा बंसी उर्फ अली खान के मुंबई भागने की आशंका है। पकड़े गए दो साथियों से पूछताछ में पुलिस को यह जानकारी मिली है।

आरोपियों ने बताया कि राजा बंसी की पत्नी नाराज होकर जीटीबी नगर स्थित मायके आ गई थी। कई बार बुलाने के बाद भी वह नहीं जा रही थी। इसी बात से नाराज होकर राजा बंसी ने ससुरालियों को डराने और सबक सिखाने के लिए वारदात की योजना बनाई।

वारदात के बाद तीनों आरोपियों ने मुंबई जाने का टिकट कराया था। राजा बंसी ट्रेन से फरार हो गया, जबकि उसके दोनों साथी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि मुख्य आरोपी राजा बंसी, उसके भाई बबलू और फैसल के खिलाफ ससुराल पक्ष की ओर से एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी है।

ससुराल पहुंचकर युवक ने भाई व दोस्त के साथ फेंके बम, फायरिंग का भी आरोप

प्रयागराज के करेली के जीटीबी नगर में रविवार रात घरेलू विवाद के बाद एक युवक ने अपने भाई और साथी के साथ मिलकर ससुराल के बाहर बमबाजी और फायरिंग कर दी। घटना से मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राजा, बबलू और फैसल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

करेली निवासी राजा की शादी करीब आठ वर्ष पहले जीटीबी नगर की रहने वाली युवती से हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। कुछ समय से पति–पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते पत्नी अपने मायके में रह रही थी। रविवार रात करीब दस बजे राजा पत्नी को लेने के लिए ससुराल पहुंचा। उसने पत्नी से वापस घर चलने को कहा। आरोप है कि इसी बीच वहां उसकी सास भी पहुंच गईं और किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद राजा नाराज होकर वहां से चला गया।

आरोप है कि कुछ देर बाद राजा अपने भाई बबलू और साथी फैसल को लेकर दोबारा ससुराल पहुंचा। इस दौरान तीनों ने घर के बाहर जमकर हंगामा किया। आरोप है कि उक्त लोगों ने एक के बाद एक तीन बम फोड़े और हवा में गोलियां चला दीं। कार्यवाहक थाना प्रभारी विजय प्रकाश ने बताया कि वारदात में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने राजा, बबलू और फैसल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

डेढ़ सौ मीटर सड़क के अभाव में थमी रफ्तार, ग्रामीण आक्रोशित

प्रयागराज। हंडिया विकासखंड क्षेत्र के सेवा गांव से होते हुए भदोही जिले को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क पर महज डेढ़ सौ मीटर की दूरी तय करना इन दिनों किसी जोखिम से कम नहीं है। सड़क के दोनों ओर वर्षों पहले पक्का निर्माण कराया जा चुका है लेकिन बीच का करीब डेढ़ सौ मीटर हिस्सा आज तक अधूरा पड़ा है। बरसात में यह हिस्सा पूरी तरह कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाता है, जिससे ग्रामीणों, किसानों, छात्रों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मंगलवार को समस्या से नाराज सैकड़ों ग्रामीण सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है लेकिन जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधियों ने अब तक इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार अधिकारियों से शिकायत करने और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिला। इस दौरान ओमप्रकाश दुबे, विनय कुमार तिवारी, डॉ. आशीष शुक्ला, अंकित शुक्ला, अनूप शुक्ला आदि मौजूद रहे।

दलदल बन जाता है रास्ता

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश होते ही अधूरा हिस्सा पूरी तरह कीचड़ में बदल जाता है। दोपहिया वाहन फिसलकर गिर जाते हैं, पैदल चलना मुश्किल हो जाता है और स्कूली बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। कई बार लोग चोटिल भी हो चुके हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

दोनों ओर सड़क, बीच में डेढ़ सौ मीटर क्यों अधूरा?

ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब सड़क के दोनों ओर पक्का निर्माण कराया जा चुका है तो बीच के मात्र डेढ़ सौ मीटर हिस्से को आखिर किस कारण छोड़ दिया गया। उनका कहना है कि इसी अधूरे हिस्से के कारण पूरी सड़क की उपयोगिता प्रभावित हो रही है और लोगों को रोजाना जान जोखिम में डालनी पड़ रही है।

ग्रामीणों की मांग

– अधूरी डेढ़ सौ मीटर सड़क का तत्काल निर्माण कराया जाए।

– निर्माण पूरा होने तक आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।

– जिम्मेदार विभाग निर्माण की समय–सीमा घोषित करे।

गांव–गांव पहुंचकर जनता की समस्याएं सुनें कार्यकर्ता : पंधारी

प्रयागराज। क्षेत्र के लतीफपुर गांव में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान की रणनीति पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा प्रत्याशी पंधारी यादव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर किसानों, मजदूरों और आम ग्रामीणों से संवाद करें। उनकी समस्याओं को सुनें और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करें। बैठक में संगठन की मजबूती, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। इस दौरान पार्टी के विधानसभा उपाध्यक्ष मुलायम यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष राम प्रवेश सरोज, सेक्टर प्रभारी अयोध्या प्रसाद यादव, दिनेश बिंद, अजय यादव आदि मौजूद रहे।

लापरवाही की भेंट चढ़ा सीएचसी का सोलर प्लांट

प्रयागराज। कौड़िहार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चार साल पहले 50 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किया गया था। इसे यूपीनेडा ने उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति और केंद्र की ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर योजना के तहत लगाया था। सौलर पैनल लगने के बाद भी इसका संचालन आज तक शुरू नहीं हो सका। आरोप है कि कार्यदायी संस्था काम अधूरा छोड़कर चली गई। प्लांट को ग्रिड से जोड़ने के लिए ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाना अनिवार्य है। इसके लिए बिजली विभाग को सूचित किया गया, पर क्षमता नहीं बढ़ाई गई। विभागों के आपसी समन्वय की कमी से मरीज परेशान हैं और लाखों रुपये के उपकरण धूल फांक रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्लांट चालू होने से बिजली बिल में राहत मिलेगी और आपातकालीन सेवाओं के लिए 24 घंटे सौर ऊर्जा उपलब्ध होगी। सीएचसी अधिक्षक डॉ. अमरेश वर्मा ने बताया कि सोलर पैनल के संचालन में आ रही समस्याओं और तकनीकी बाधाओं के बारे में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर अवगत कराया गया है।

संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त, हादसे की आशंका

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र के दादूपुर–करनाईपुर–प्रतापगढ़ संपर्क मार्ग पर जगह–जगह बने गहरे गड्ढे हादसे को दावत दे

रहे हैं। करीब पांच साल पहले बनी इस सड़क की हालत अब काफी जर्जर हो चुकी है। गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीण महेंद्र कुमार गुप्ता और संजय कुमार पटेल ने बताया कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों को रोजाना जोखिम उठाकर सफर करना पड़ रहा है। लोगों ने जल्द सड़क की मरम्मत की मांग की है। एई धनीराम पटेल ने कहा कि संपर्क मार्ग पर कुछ स्थानों पर गड्ढे हैं और सड़क क्षतिग्रस्त है। इसकी जांच कराकर सड़क की मरम्मत कराई जाएगी और मार्ग को गड्ढा मुक्त बनाया जाएगा।

आशीष कुमार बने अपनी जनता पार्टी के सेक्टर प्रभारी

प्रयागराज। क्षेत्र के टिकरी गांव निवासी आशीष कुमार मौर्य को अपनी जनता पार्टी के मधेशा सेक्टर का प्रभारी मनोनीत किया गया है। यह जानकारी देते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष एलबी पटेल ने बताया कि इसी प्रकार माधोपुर निवासी आशुतोष विश्वकर्मा को बूथ अध्यक्ष की जिम्मेदार सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि अपनी जनता पार्टी का संगठन बढ़ता जा रहा है। इन दोनों नियुक्तियों से पार्टी का सांगठनिक ढांचा सबल होगा। नियुक्तियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीराम मौर्य, कमलेश पासी, बहोरन लाल मौर्य, रमेश सरोज, प्रवीण कुमार आदि ने बधाई दी है।

चौकीदार का कच्चा मकान ढहा, प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप

प्रयागराज। कोतवाली क्षेत्र के बौड़ई लंका गांव निवासी चौकीदार राम सिंह पासी का कच्चा मकान दो दिन पहले हुई हल्की बारिश में ढह गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, पर परिवार बेघर हो गया। पीड़ित परिवार अब अस्थायी छप्पर डालकर गुजारा कर रहा है। राम

सिंह पासी वर्षों से थाना क्षेत्र में चौकीदार के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना के बावजूद तहसील प्रशासन का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। हल्का लेखपाल और कानूनगो ने भी घटनास्थल का निरीक्षण नहीं किया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। कांग्रेस के जिला महासचिव अनुपम कृष्ण द्विवेदी पीड़ित परिवार से मिले। उन्होंने हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि वह उच्च अधिकारियों से बात कर आर्थिक सहायता दिलाएंगे। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से तत्काल सर्वे और सहायता की मांग की है।

मानसून की बेरुखी से थमी धान की रोपाई

प्रयागराज। मानसून की बेरुखी ने किसानों की नींद उड़ा दी है। जिन खेतों में रोपाई हो भी चुकी है, वहां पानी के अभाव में धान पीले पड़ने लगे हैं। किसानों ने नहर और निजी संसाधनों से किसी तरह नर्सरी तो तैयार कर ली, लेकिन अब रोपाई के लिए बारिश का इंतजार कर रहे हैं। किसान राम भरोसे, शंकर लाल, मनोज कुमार और गरीब दास ने बताया कि नर्सरी तैयार है, पर खेत सूखे पड़े हैं। बादल आते हैं और बिना बरसे चले जाते हैं।

जिन किसानों ने जैसे–तैसे रोपाई कर दी, उनकी मुश्किल और बढ़ गई है। पानी न मिलने से रोपे हुए धान के पौधे पीले पड़कर सूखने लगे हैं।

किसान शंकर लाल ने बताया कि खेत में हरियाली की जगह पीलापन दिख रहा है। अगर कुछ और दिन पानी नहीं बरसा तो पूरी फसल चौपट हो जाएगी। सावन में भी भीषण गर्मी और उमस ने हालात बिगाड़ दिए हैं।

बीते एक हफ्ते से बारिश नहीं हुई है, जिससे तापमान फिर बढ़ने लगा है। तेज धूप खेतों की नमी तेजी से सोख रही है। खरीफ सीजन की मुख्य फसल धान इस समय बढ़वार के अहम दौर में है, लेकिन पर्याप्त पानी न मिलने से पैदावार पर संकट गहरा गया है। सबसे ज्यादा चिंता उन किसानों को है जिन्होंने कर्ज लेकर बीज–खाद खरीदी है। अगर जल्द बारिश नहीं हुई तो उन्हें दोबारा रोपाई करनी पड़ेगी, यानी लागत दोगुनी।

सूखी नहरों ने किसानों की बढ़ाई मुश्किलें

नवाबगंज। नवाबगंज और कौड़िहार इलाके में रहने वाले तराई क्षेत्र के किसान चौतरफा मार झेल रहे हैं। क्षेत्र की कई नहरों में पानी नहीं आया है, जिससे सिंचाई की निर्भरता अब नलकूपों पर आ टिक गई है, लेकिन बिजली कटौती किसानों के मंसूबों पर पानी फेर रही है। किसान संत बहादुर सिंह ने बताया कि नहरें कई साल से सूखी हैं। ट्यूबवेल के भरोसे खेत भरते हैं, लेकिन पानी दूसरे छोर तक पहुंचने से पहले ही बिजली चली जाती है। ओम प्रकाश मौर्य और शिव प्रसाद पटेल ने बताया कि धूप इतनी तेज है कि 25 फीसदी धान की बेहन खेत में ही जलकर बर्बाद हो गई है। संवाद

पिछले दिनों हुई बारिश से थोड़ी बहुत राहत है। कोरांव में प्रर्याप्त बारिश हुई। जहां भी कम बारिश की संभावना है, वहां किसानों को श्रीअन्न फसलें बुवाई करनी चाहिए। – डॉ.पवन विश्वकर्मा, उपनिदेशक कृषि, प्रयागराज

संक्षिप्त

रेलवे की जमीन पर बनीं 400 दुकानों पर चला बुलडोजर

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र के मवैया में बुधवार को रेलवे की जमीन पर बने अवैध कब्जों पर बुलडोजर चला। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और नगर निगम की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। अभियान के तहत मवैया तिवारी होटल से मछली मंडी तक रेलवे की जमीन पर बनी 400 से अधिक अवैध दुकानें और झोपड़ियां हटाई जा रही हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस इलाके में लंबे समय से जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण किया गया था, जिसे हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, अतिक्रमणकारियों को कई बार नोटिस जारी कर स्वयं कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय के बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर संयुक्त टीम ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस के जवान बड़ी संख्या में मौके पर तैनात हैं। नगर निगम और रेलवे के अधिकारी भी अभियान की निगरानी की।

सनातन रक्षा संगठन का हनुमानगढ़ी बयान पर अखिलेश यादव के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या की हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने संबंधी बयान को लेकर बुधवार को राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। सनातन रक्षा संगठन के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुरोध राय ने किया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने श्रीराम टावर से समाजवादी पार्टी के कार्यालय तक मार्च निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए सपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि, पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत उन्हें राजभवन चौराहे के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। प्रदर्शनकारियों का उद्देश्य सपा कार्यालय तक पहुंचकर विरोध दर्ज कराना था। इसे देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क था और पूरे मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। राजभवन चौराहे के पास पुलिस ने मार्च को आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने वहीं कुछ देर तक नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे, जिससे स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। बाद में प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया।

बरसात से पहले संजय ज्वेलर्स वाली गली के निर्माण की उठी मांग, जर्जर सड़क से हादसों का बढ़ा खतरा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र के फरीदीपुर स्थित संजय ज्वेलर्स वाली गली की बदहाल स्थिति स्थानीय लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। गली पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और जगह—जगह गड्ढे होने के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बरसात का मौसम नजदीक है, ऐसे में क्षेत्रवासियों को आशंका है कि बारिश शुरू होते ही यह गली कीचड़ और जलभराव से भर जाएगी, जिससे आवागमन और भी कठिन हो जाएगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस गली से प्रतिदिन सैकड़ों लोग, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक गुजरते हैं। खराब सड़क के कारण कई लोग फिसलकर गिर चुके हैं और चोटिल भी हुए हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते गली का निर्माण नहीं कराया गया, तो बरसात के दौरान किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ नगर निगम, लोक निर्माण विभाग तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले इस गली का तत्काल निर्माण कराया जाए। उनका कहना है कि मुख्य सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है, ऐसे में मोहल्ले की इस महत्वपूर्ण गली का निर्माण भी प्राथमिकता पर कराया जाना चाहिए, ताकि आम जनता को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

सीआईएससीई जोनल कराटे प्रतियोगिता,2026 में एल.पी.एस. के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स, जानकीपुरम के विद्यार्थियों ने 14 जुलाई 2026 को स्कॉलर्स होम स्कूल, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित सीआईएससीई जोनल कराटे प्रतियोगितादृ2026 में अपने उच्चतम खेल कौशल, अनुशासन एवं अदम्य साहस का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया और संस्थान की झोली में 4 स्वर्ण एवं 2 कांस्य पदक डालकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में पांची वर्मा (कक्षा ग्प्—क), अनिशी चौधरी (कक्षा प्—ठ) ने अंडर—17 बालिका वर्ग, भार्गव सिंह नितवाल (कक्षा ग्प्—क) ने अंडर—17 बालक वर्ग तथा अवनी वर्मा (कक्षा टप्—ब) ने अंडर—14 बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि आराध्या वर्मा (कक्षा प्—क) ने अंडर—17 बालिका वर्ग एवं अतिशा टंडन (कक्षा टप्—ब) ने अंडर—14 बालिका वर्ग में कांस्य पदक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधन, प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षक को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासित अभ्यास, दृढ़ संकल्प एवं प्रशिक्षक के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है।

लखनऊ में फिर धंसी सड़क

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में बारिश के बीच सड़कों के धंसने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। शहीद पथ की सर्विस रोड धंसने की घटना के बाद अब वजीरगंज और केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास सीएम ग्रिड योजना के तहत कराए जा रहे कार्य वाली सड़क फिर धंस गई। सड़क धंसने से वहां खड़ी एक बाइक का हिस्सा गड्ढे में समा गया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़क की खुदाई के बाद उसे दोबारा भरकर बनाया गया था। लगातार बारिश के चलते सड़क की सतह कमजोर पड़ गई और अचानक धंस गई। गनीमत रही कि हादसे के समय कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया। वही दूसरी तरफ वजीरगंज इलाके में सड़क सड़क धंस गई। जिसके बाद सड़क पर खड़ी मोटरसाइकिल भी उसमें फंस गए।। इससे पहले मंगलवार को गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में शहीद पथ की सर्विस रोड भी अचानक धंस गई थी। सड़क पर करीब तीन मीटर गहरा और एक मीटर चौड़ा गड्ढा बन गया था, जिससे दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे। एहतियात के तौर पर ट्रैफिक पुलिस ने सर्विस रोड पर यातायात पूरी तरह बंद कर दिया था और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों ने शहीद पथ की धंसी सड़क की 24 घंटे के भीतर मरम्मत कर यातायात बहाल कर दिया।

लोजपा (रामविलास) ने फूंका यूपी विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल, लखनऊ में हुई प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

लखनऊ। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों का औपचारिक आगाज करते हुए राजधानी लखनऊ में प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने स्वयं उपस्थित होकर प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठन विस्तार तथा जनसंपर्क अभियानों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश में अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाने के साथ—साथ गरीब, वंचित, किसान, युवा और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों के मद्देनजर अभी से तैयारियों में जुट जाने और पार्टी की नीतियों को घर—घर तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

पश्चिम उत्तर प्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी अतुल कुमार ने बताया कि बैठक में उत्तर प्रदेश के प्रभारी एवं सांसद अरुण भारती, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा, प्रदेश

प्रधान महासचिव राजीव मोहन गोयल, महासचिव प्रदीप अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में प्रदेश, मंडल, जिला एवं क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर पार्टी नेतृत्व ने श्रद्धेय रामविलास पासवान के सिद्धांतों और विचारों को जन—जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं का समर्पण और जनसेवा की भावना ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उत्तर प्रदेश में पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

बैठक के दौरान आगामी महीनों में प्रदेशभर में संगठनात्मक कार्यक्रम, जनसंवाद अभियान और सदस्यता विस्तार अभियान चलाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। पार्टी नेताओं ने विश्वास जताया कि मजबूत संगठन और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराएगी।

ष्सशक्त संगठन, समर्पित कार्यकर्ता और जनसेवा का संकल्प ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैष् के संदेश के साथ बैठक का समापन हुआ।

भयहरण नाथ धाम में 19वाँ सामाजिक सत्याग्रह 19 जुलाई को

बकुलाही नदी के अधूरे सरकारी कार्यो की पूर्णता हेतु होगा रचनात्मक सामाजिक प्रयास

बकुलाही की प्राचीन धारा के मुहाने की शुरू होगी सफाई

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में कब्जा मुक्ति व मनमानेपन से मुक्ति हेतु 19 जुलाई को 19 वाँ सामाजिक सत्याग्रह आयोजित किया जाएगा।

सत्याग्रह मे बकुलाही नदी के अधूरे सरकारी कार्यों की पूर्णता के लिए पुरजोर मांग के साथ सामूहिक श्रमदान साझा संसाधन व श्रम से प्रारंभ होगा।

यह सामूहिक सत्याग्रह गत 15 मार्च से निरंतर प्रत्येक रविवार को जारी है। यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव व बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि वर्ष 2011 से प्रारम्भ हुआ बकुलाही पुनरोद्धार कार्य निरंतर सरकार व समाज के साझा प्रयास से जारी है। परंतु राजनीतिक उदासीनता से प्रस्तावित योजनाएं अधर में पड़ी हैं और प्राचीन धारा के लोग पानी न जाने के कारण प्यासे व्याकुल हैं।

ऐसे में धाम को कब्जा मुक्ति की मुहिम के साथ भोले नाथ महादेव व बकुलाही मैया का पूजन करके सामूहिक श्रमदान कर रचनात्मक सामाजिक प्रयास प्रारंभ किया जाएगा। नदी की प्राचीन धारा में इस बरसात जल प्रवाहित किया जाएगा।

धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, कोषाध्यक्ष लाल जी सिंह, बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान से मोती लाल चौधरी, कटरा गुलाब सिंह नागरिक परिषद के महामंत्री राजीव नयन मिश्र व भारतीय किसान यूनियन अम्बवता के प्रदेश प्रवक्ता भानु सिंह, जिला प्रभारी जलालुद्दीन तथा महिला शाखा की प्रभारी नीतू जी ने सभी क्षेत्रीय सम्मानित नागरिकों व किसान बंधुओं से इस सामाजिक कार्य में फावड़ा व कुदाल के साथ सहभागिता की अपील की है।

राम मंदिर ट्रस्ट में सरकारी दखल नहीं, एसआईटी रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई : योगी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना से हम जैसे राम भक्तों की आस्था को ठेस पहुंची है, लेकिन इस मामले के बहाने अयोध्या और राम जन्मभूमि को बदनाम करना उचित नहीं है। इंडिया टुडे समूह के कार्यक्रम पंचायत आज तक को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी (सपा), पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे अपने पुराने रिकॉर्ड के बावजूद आस्था से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या की घटना ने निश्चित रूप से हम सभी की, हम जैसे राम भक्तों की आस्था को चोट पहुंचाई है। राम मंदिर ट्रस्ट एक स्वतंत्र संस्था है और सरकार को इसके मामलों में

हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। ट्रस्ट ने जांच का अनुरोध किया और राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया। जैसे ही एसआईटी की रिपोर्ट आई, कार्रवाई शुरू कर दी गई। उन्होंने कहा कि चोरी की घटना में कथित रूप से शामिल 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उनकी सहायता करने के आरोप में 2 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। योगी ने कहा कि गिरफ्तारी के साथ—साथ नैतिक आधार पर दो इस्तीफे भी हुए हैं, जिनमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन इस घटना का इस्तेमाल अयोध्या, राम जन्मभूमि और हिंदुओं की आस्था को बदनाम करने के लिए करना उचित नहीं है।

भ्रामक पोस्टरों के विरोध में सपा नेता पहुंचे हजरतगंज थाना,मुकदमा दर्ज कराने की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद इखलाख ने बुधवार को हजरतगंज थाने पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ कथित तौर पर लगाए गए आपत्तिजनक और भ्रामक पोस्टरों का मामला उठाया गया। उन्होंने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों के सार्वजनिक स्थानों पर इन नेताओं के खिलाफ अपमानजनक और भ्रामक पोस्टर लगाए गए हैं। आरोप लगाया गया कि इस तरह की हरकत का उद्देश्य नेताओं की छवि धूमिल करना और समाज में वैमनस्य तथा सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करना है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेताओं के खिलाफ इस तरह के पोस्टर और भ्रामक प्रचार सामग्री लगाए जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इससे यह आशंका जताई गई कि कुछ लोग सुनियोजित तरीके से इस तरह की गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। मोहम्मद इखलाख ने पुलिस से मामले की तत्काल जांच कराने, संबंधित स्थानों के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर उनकी जांच करने, पोस्टर लगाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की। साथ ही यदि घटना के पीछे किसी संगठित समूह की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की गई।

मिट्टी ही है स्त्रोत

हरियाली की छाँव गाँव की हँसी—ठिठोली।
आपस के संबंध प्रेम की अनुपम बोली।
करो धरा से बात लगे यह अच्छा सुनना।
मिट्टी ही है स्रोत सृजन का इसे समझना।
जीव परिंदा उड़ गया माटी ही अवशेष है।
ऋतुएँ सिखलाती यही जीवन का उन्मेष है।।

चरणों में यह बैठ नमन वंदन है करती।
सबको देती ठाँव उदर भी सबका भरती।
है पैरों की धूल न भूले से यह कहना।
माटी ही है स्त्रोत सृजन का इसे समझना।
नैतिकता के साथ में अपनी ही हर शर्त को।
बिन बोले हर रीति में भरती जीवन—अर्थ को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

खडेरा गांव में जलभराव की समस्या का प्रशासन ने कराया समाधान, ग्रामीणों को मिली राहत

बलदेव (मथुरा)। विकास खंड बलदेव की ग्राम पंचायत खडेरा में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने विशेष अभियान चलाकर त्वरित कार्रवाई की। खंड विकास अधिकारी के निर्देशन में विकास खंड की टीम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई।

अभियान के दौरान एडीओ पंचायत, ग्राम सचिव, लेखपाल तथा पुलिस बल की मौजूदगी में संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से जलभराव वाले क्षेत्र से पानी की निकासी कराई गई, जिससे लंबे समय से परेशान ग्रामीणों को राहत मिली। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। इसके लिए नियमित निगरानी, नालियों की साफ—सफाई तथा समय रहते आवश्यक निवारक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामवासियों ने राहत की सांस ली और जलभराव की समस्या के निस्तारण पर संतोष व्यक्त किया।

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी–आसनसोल (सप्ताह में 02 दिन) विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 04185/04186 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-आसनसोल (सप्ताह में 02 दिन) विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ी अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, ठहराव एवं मार्ग पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
04185	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-आसनसोल	(सप्ताह में 02 दिन)	बुधवार एवं रविवार	28.06.2026	29.07.2026 से 30.08.2026
04186	आसनसोल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	(सप्ताह में (02 दिन)	गुरूवार एवं सोमवार	29.06.2026	30.07.2026 से 31.08.2026

संशोधित गाड़ी संरचनाः सामान्य श्रेणी-06, सामान्य द्वितीय श्रेणी चेयर कार-02, स्लीपर श्रेणी-09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in 1615/26 (PH)

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/645 दिनांकः 14.07.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1034-2026 | कार्य अवधिः 12 महीना

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल सिग्नल साइटिंग को बाधित करने वाले पुराने OHE मास्ट को बदलने का कार्य।

अनुमानित लागतः 3,52,61,693.64 | बिड सुरक्षा राशिः 7,05,200.00

बोली प्रणालीः एक पैकेट | निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 04.08.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 04.08.2026, 15:00 बजे

नोटः- 1.उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2.उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1610/26(AK)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No. GEM/2026/B/7730687 दिनांकः 13.07.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू/प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा जेम पोर्टल टेंडर)। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्याः GEM/2026/B/7730687 | अनुमानित लागतः 20.34 Lacs

कार्य का विवरणः महीने के आधार पर कैब और टैक्सी किराए पर लेने की सेवा - प्रीमियम SUV; 1400 किमी प्रति महीना X 12 घंटे प्रति दिन; आउट स्टेशन 24*7, महीने के आधार पर कैब और टैक्सी किराए पर लेने की सेवा- SUV; 2000 किमी X 320 घंटे; आउटस्टेशन 24*7।

धरोहर धनराशिः 40690.00 | निविदा फार्म का मूल्यः 0.00

खुलने की तिथिः 03.08.2026 15:00 hrs. | कार्य समापन अवधिः 24 महीने

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1607/26(K)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

मंदिर में चोरी और नेहरू जी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला अब केंद्र और उत्तरप्रदेश की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी मुश्किल बनता जा रहा है। विपक्ष तो इस मुद्दे पर लगातार सवाल उठा ही रहा है, अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस मामले पर अपनी चिंता सार्वजनिक तौर पर व्यक्त की है। संघ की वार्षिक श्अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठकश हाल ही में कर्नाटक के बेलगावी में खत्म हुई। बैठक में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की गिनती में हुई गड़बड़ी की घटना पर दुख जताया गया। उत्तरप्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस मामले में एक एसआईटी गठित कर जांच शुरु की है, जिस पर संघ ने भरोसा जताया कि एसआईटी और पुलिस की कार्रवाई किसी ठोस नतीजे तक पहुंचेगी। संघ ने कहा कि श्तीर्थ क्षेत्र न्यासश पक्का करे कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो जिससे राम मंदिर के प्रति सभी राम भक्तों की श्रद्धा और गहरी आस्था को ठेस पहुंचे।श वैसे उत्तर प्रदेश सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ बेहद सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन बड़ा सवाल तो यही बना हुआ है कि जिस न्यास का गठन भाजपा सरकार की देखरेख और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जानकारी में हुआ, वहां करोड़ों की चोरी करने की किसी की भी हिम्मत कैसे हुई। दो ही स्थितियों में ऐसा मुमकिन है, या तो प्रधानमंत्री ने राम मंदिर का राजनैतिक उपयोग करने के बाद वहां के संचालन पर ध्यान नहीं दिया या फिर उन्हें सब कुछ पता होते हुए भी उन्होंने इस तरफ अनदेखी की। सच्चाई क्या है यह तो खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बताएंगे।

लेकिन कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इस पूरे प्रकरण पर नरेन्द्र मोदी ने कुछ नहीं कहा है। राम मंदिर के लिए आडवानी द्वारा निकाली गई रथयात्रा से लेकर बाबरी मस्जिद तोड़कर उसी जगह पर मंदिर के लिए भूमिपूजन करने, फिर मंदिर का उद्घाटन, प्राण प्रतिष्ठा करने तक नरेन्द्र मोदी का चेहरा ही आगे रहा। रथयात्रा में उन्होंने संघ और भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते समन्वयक के तौर पर काम किया था, लेकिन जब उस बीज की फसल लहलहाई तो सबसे ज्यादा लाभ नरेन्द्र मोदी के खाते में ही आया। हर चुनाव में उन्होंने यह दावा किया कि जहां वादा किया था, वहीं मंदिर बनवाया। तो अब हिंदुओं की आस्था पर इतनी बड़ी चोट की गई है, तो क्या नरेन्द्र मोदी को दर्द नहीं हो रहा है, यह सवाल तो उठेगा ही। जब संघ के लोग अफसोस जाहिर कर सकते हैं, जब नरेन्द्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी रहे नृपेंद्र मिश्रा इस सार्वजनिक चोरी पर दुख जता चुके हैं, तो नरेन्द्र मोदी को बोलने से कौन रोक रहा है। ध्यान रहे कि 2024 में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि श्राम राष्ट्र हैं और देव देश हैं। हालांकि यह विचार संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना के खिलाफ था, फिर भी अगर मोदी को अपने कहे पर यकीन था तो अब अपने राष्ट्र और देश पर चोरों की कुदृष्टि देखकर भी वे शांत कैसे हैं। नरेन्द्र मोदी के समर्थकों ने हाल ही में उनकी सत्ता के 12 साल पूरे होने पर इस बात की खुशी मनाई कि मोदी ने प.नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि उसमें तथ्यात्मक गलती है, फिर भी उनकी खुशफहमी उन्हें मुबारक। जहां तक नेहरूजी से तुलना की बात है तो मंदिर चोरी का ऐसा ही प्रकरण राजस्थान में श्रीनाथद्वारा में भी हुआ था। 13 नवंबर 1958 को मंगालदास पकवासा ने 18वीं सदी के श्रीनाथजी मंदिर से सोना, चांदी और भारी मात्रा में नकदी उसके संरक्षक महाराज द्वारा गुप्त रूप से ले जाए जाने की सूचना तत्कालीन प्रध ानमंत्री नेहरू को दी। तब नेहरू ने इसे श्लूटश बताते हुए राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया और केंद्रीय गृह मंत्री गोविंद बल्लभ पंत को पत्र लिखकर इस मामले में सख्त कदम उठाने को कहा था। अपने पत्र में नेहरू ने कहा कि महाराज द्वारा मंदिर की संपत्ति को चुपचाप ले जाना सार्वजनिक धन का दुरुपयोग है। उन्होंने कहा कि यह गबन इसलिए संभव हो सका क्योंकि मामले को संभालने में ढिलाई बरती गई। उन्होंने खेद जताया कि राजस्थान सरकार द्वारा मुख्य न्यायाधीश वांचू की अध्यक्षता में गठित जांच समिति महाराज की आपत्तियों के कारण कभी काम ही नहीं कर सकी। उस समय नेहरू ने एक अहम सवाल उठाया था कि नाथद्वारा मंदिर की आय का उपयोग आखिर किस अच्छे उद्देश्य के लिए हो रहा है? उन्होंने कहा था कि मेरे अनुमान से मुख्यतरू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए। इसे जारी नहीं रहने दिया जा सकता और आपको तत्काल कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी लिखा था कि जिस व्यक्ति पर लूट और धन के दुरुपयोग जैसे आरोप लगे हों, उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए? और उसे उस पद पर बने रहने की अनुमति क्यों दी जाए जहां वह और अधिक धन का दुरुपयोग कर सकता है?

यू.पी. चुनाव के लिए भाजपा व विपक्ष की तैयारियां

कल्याणी शंकर

यू.पी. चुनाव के नजदीक आने के साथ, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) न केवल राज्य में अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए, बल्कि पूरे भारत में अपना प्रभाव मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापक, रणनीतिक योजना तैयार कर रही है। यह रणनीति एन.डी.ए. को एकजुट करने और मतदाताओं के बीच गूंजने वाले स्थानीय मुद्दों को संबोधित करने पर जोर देती है। भाजपा ने चुनावी सफलता के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण 100 निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की है लेकिन उनके चयन के लिए उपयोग किए जाने वाले मानदंडों या प्रक्रिया को शामिल करना यह स्पष्ट करेगा कि ये प्राथमिकताएं कैसे निर्धारित की जाती हैं और उनका क्या महत्व है। पार्टी 'बूथ पालक' नामक स्थानीय आयोजकों को नियुक्त करने की योजना बना रही है, जो जमीनी स्तर पर जुड़ाव को ऊर्जावान बनाएंगे, जिससे मतदाताओं को यह महसूस होगा कि उनकी ड़क्षचताओं को महत्व दिया जाता है और समझा जाता है तथा 'बूथ प्रवासी', जो स्थानीय प्रतिनिधि ा निवासियों के साथ संपर्क करने, उनकी चिंताओं को समझने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कि पार्टी के संदेश समुदायों के भीतर प्रभावी ढंग से गूंजें। पार्टी विविध जनसांख्यिकी तक पहुंचने के लिए व्यापक सोशल मीडिया अभियान और लक्षित विज्ञापन शुरू करने की योजना बना रही है, जिसमें क्षेत्रों और आयु समूहों में अभियान की प्रभावशीलता में विश्वास जगाने के लिए अनुकूलित डिजिटल रणनीतियां हों गी। पार्टी विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों, विशेष रूप से किसानों और महिलाओं का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। शुरू की गई योजनाएं किसानों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को लाभान्वित करेंगी, जिससे इन समुदायों का उत्थान होगा। राष्ट्रवाद भाजपा की पहचान और संदेश का आधार बना हुआ है। पार्टी खुद को राष्ट्रीय हितों की संरक्षक के रूप में, विशेष रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध ा में, पेश करना चाहती है। मजबूत रक्षा नीतियों और आतंकवाद तथा आंतरिक सुरक्षा पर कड़े रुख पर जोर देकर, भाजपा उन मतदाताओं को आकर्षित करना चाहती है, जो एक मजबूत, सुरक्षित सरकार का समर्थन करते हैं। अर्थव्यवस्था भी भाजपा के अभियान का केंद्र बिंदू होगी। पार्टी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के अपने प्रयासों को प्रदर्शित करना चाहती है, जिसमें नौकरी–सृजन की पहलों पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसैंटिव (पी.एल.आई.) योजना जैसे कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित और निवेश आकर्षित करना है। संदेश का उद्देश्य मतदाताओं, विशेष रूप से युवाओं को यह आश्वस्त करना होगा कि भाजपा आर्थिक विकास को प्रोत्साहित और रोजगार के अवसर पैदा कर सकती है। इसके अलावा, भाजपा अपने शासन पर विपक्ष की किसी भी आलोचना का मजबूती से मुकाबला करने की तैयारी कर रही है। रणनीति में यह प्रदर्शित करना शामिल है कि विपक्ष बिखरा हुआ है और उसके पास कोई सुसंगत शासन योजना नहीं है। अपनी सफलताओं और विपक्षी दलों की विफलताओं के बीच गहरा अंतर दिखाकर, भाजपा एक प्रभावी और विश्वसनीय पार्टी के रूप में अपनी छवि को मजबूत करना चाहती है। यद्यपि भाजपा एक मजबूत राष्ट्रीय उपस्थिति के रूप में खड़ी है, वह स्थानीय गठबंधन बनाने के महत्व को भी पहचानती है। पार्टी के अपनी चुनावी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय और छोटे राजनीतिक दलों के साथ सांझेदारी करने की संभावना है, जिससे यह उम्मीद है कि ऐसा सहयोग शासन और सामुदायिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करेगा। पार्टी निर्णायक जीत हासिल करने के लिए मतदाताओं की चिंताओं के अनुकूल होने और उभरते मुद्दों को संबोधित करने का लक्ष्य रखती है। यह एक 'चुनाव–तैयार' ढांचे का दावा करती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहुंच और बूथ–स्तरीय समितियों को मजबूत करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, भाजपा अपने नेतृत्व में अधिक युवाओं और महिलाओं को शामिल करने के लिए बदलाव कर रही है। पार्टी ने यू.पी. सहित अपने चुनाव–बद्ध राज्यों को निर्देश दिया है कि यदि चुनाव जल्दी होते हैं तो वे तैयार रहें। उत्तर प्रदेश में विपक्ष आगामी चुनावों के लिए ठोस प्रयासों के साथ तैयारी कर रहा है। लगभग 23 दल 'इंडिया' गठबंधन के तहत एकजुट हुए हैं, जिनका उद्देश्य सत्तारूढ़ भाजपा को एक कड़ी चुनौती पेश करना है। विपक्ष एक स्पष्ट पांच–सूत्रीय रणनीति के साथ चुनावों की तैयारी कर रहा है। यह रणनीति बेरोजगारी, आध्थक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मतदाताओं के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित है। इन विषयों पर जोर देकर, विपक्ष यह दिखाना चाहता है कि वे आम नागरिकों की जरूरतों की परवाह करते हैं और खुद को सत्तारूढ़ दल से अलग करते हैं।विपक्ष जमीनी जुड़ाव पर जोर देता है ।

और प्रयासों को अधिकतम करता है। विभिन्न दलों के स्थानीय नेता और प्रतिनिधि मतदाताओं से सीधे जुडने, उनकी चिंताओं को समझने और भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा पेश करने के लिए लामबंद हो रहे हैं। इस जुड़ाव रणनीति में गठबंधन के संदेश को सुदृढ़ करने और घटकों के बीच विश्वास बनाने के लिए टाऊन हॉल बैठकें, रैलियां और सामुदायिक कार्यक्रम शामिल हैं। गठबंधन शासन और विकास पर भाजपा के आख्यानों का मुकाबला करने के लिए काम कर रहा है, एक स्पष्ट योजना पेश कर रहा है जो सत्तारूढ़ दल की कमियों को उजागर करती है और मतदाताओं को यह समझाने का प्रयास करती है कि वे एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म भी विपक्ष के अभियान प्रयासों का अभिन्न अंग हैं। कुल मिलाकर, विपक्ष की तैयारियां उनके प्रयासों को मजबूत करने, सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ाने और भाजपा की नीतियों के स्पष्ट विकल्प पेश करने का एक केंद्रित प्रयास दर्शाती हैं। विपक्ष के पास एक अच्छी तरह से परिभाषित रणनीति है और विभिन्न राजनीतिक संस्थाओं के बीच सहयोग है। इंडिया गठबंधन को अपनी 2024 की सफलता को दोहराने की उम्मीद है लेकिन इसमें दरारें हैं। चूंकि यू.पी. राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, इसलिए यह देखना बाकी है कि दोनों पक्ष कैसा प्रदर्शन करते हैं।

नेपाल का दूसरा जेन–जी संकट

असद मिर्जा

एक सरकार गिराने के दस महीने बाद, नेपाल की जेन–जी अब उसी सरकार के सामने खड़ी है जिसे उसने खुद बनाया। एक क्रूर बेदखली अभियान, एक चालक की आत्मदाह घटना और असहमति पर बढ़ती कार्रवाई यह परख रही है कि क्या बालेन शाह की नई राजनीति पुरानी राजनीति से अलग है। नेपाल एक असहज पुनरावृत्ति देख रहा है। के.पी. शर्मा ओली को सत्ता से हटाने वाले युवा विद्रोह के एक साल से भी कम समय बाद, वही पीढ़ी फिर से सड़कों पर है कृ इस बार उसी नेता के खिलाफ जिसे उसने सत्ता में बिठाने में मदद की थी। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह, वह रैपर–इंजीनियर–से–मेयर बने नेता जो मार्च 2026 में जेन–ाी के गुस्से की लहर पर सवार होकर भारी जीत हासिल की, अब अपने कार्यकाल के पहले बड़े जन–विद्रोह का सामना कर रहे हैं। इस बार वजह भ्रष्टाचार या सोशल मीडिया प्रतिबंध नहीं, बल्कि बुलडोजर हैं।

अप्रैल के अंत से, काठमांडू घाटी में बागमती और अन्य नदी किनारों पर बसी झुग्गी–झोपड़ी और अनियोजित बस्तियों के खिलाफ सरकार के बेदखली अभियान ने 2,600 से अधिक परिवारोंकृ लगभग 15,000 लोगोंकृ के घर ध्वस्त कर दिए हैं। इसे अतिक्रमित सार्वजनिक भूमि वापस लेने की मुहिम के रूप में पेश किया गया था, और शुरुआत में इसे व्यापक समर्थन भी मिला थारू यहां तक कि आरएसपी के चुनावी घोषणापत्र में भी उपग्रह मानचित्रण और बायोमेट्रिक सत्यापन के जरिए वास्तविक भूमिहीन परिवारों को अवसरवादी अतिक्रमणकारियों से अलग करने का वैज्ञानिक तरीका अपनाने का वादा किया गया था। जिस बात ने आक्रोश पैदा किया है, वह नदी किनारों को साफ करने का सिद्धांत नहीं, बल्कि उसका क्रम हैकृ पहले बेदखली, फिर पुनर्वास, अगर हुआ तो। लगभग 325 परिवारों को अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में स्थानांतरित किया गया, जिनमें से कई बाद में बाढ़ की चपेट में आ गए, सबसे स्पष्ट रूप से कीर्तिपुर में।इस महीने की शुरुआत में सरकार ने निवासियों को इन आश्रयों को भी खाली करने का आदेश दिया, हालांकि कई ने कहा कि उनके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। गुस्सा तब चरम पर पहुंच गया जब एक चालक, गणेश नेपाली ने नगर पुलिस के साथ विवाद के बाद खुद को आग लगा लीकृ यह घटना अब प्रदर्शनकारियों के लिए गरीबों के प्रति राज्य की उदासीनता का प्रतीक बन गई है। संयुक्त राष्ट्रीय स्क्वाटर मोर्चा ने तब से गरीबों पर अत्याचार बंद करो जैसे नारों वाले बैनरों के तहत मार्च आयोजित किए हैं, जबकि वे युवा कार्यकर्ता जिन्होंने कभी शाह के उभार की सराहना की थी, अब उनके प्रशासन पर भूमिहीनों को एक संवैधानिक दायित्व के बजाय एक असुविध ा मानने का आरोप लगा रहे हैंकृ उनके अनुसार, यह सितंबर 2025 में जेन–जी द्वारा लड़ी गई जवाबदेही और समावेशन की भावना के साथ विश्वासघात है। बालेन शाह के प्रशासन ने इन बेदखलियों को काफी हद तक लंबे समय से लंबित भूमि प्रबंधन के रूप में उचित ठहराया है, और यह दावा किया है कि वास्तविक भूमिहीन परिवारों और मुनाफे के लिए सार्वजनिक या निजी भूमि पर कब्जा करने वाले अतिक्रमणकारियों के बीच अंतर बनाए रखा जा रहा है। लेकिन इसके बाद के घटनाक्रम को संभालने के तरीके ने नीति से भी अधिक आलोचना खींची है। पुलिस ने कई जेन–जी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया हैकृ जिनमें माजिद अंसारी, सरिस्मा थापा और नेल्सन घतानी शामिल हैंकृ जब वे बाढ़ के बाद हालात दर्ज करने के लिए कीर्तिपुर होल्डिंग सेंटर पहुंचे थे।

नेपाल पुलिस के प्रवक्ता अबी नारायण काफले का कहना है कि कार्रवाई केवल उन्हीं के खिलाफ की जाती है जो पुलिस के काम में बाधा डालते हैं, अशांति भड़काते हैं या सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, और वैध विरोध का सम्मान किया जाता है। अधिकार समूह इसे अलग तरह से देखते हैंरू महिला मानवाधिकार रक्षक राष्ट्रीय गठबंधन ने जिसे वह अमानवीय व्यवहार और गैरकानूनी हिरासत कहता है उसकी निंदा की है, जबकि काठमांडू पोस्ट ने पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण असहमति को सुरक्षा खतरे के रूप में मानने के एक व्यापक पैटर्न का दस्तावेजीकरण किया है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दो बार हस्तक्षेप किया है, अधिकारियों को वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना होल्डिंग सेंटरों से स्क्वाटरों को न निकालने का निर्देश दिया है, और इसके लिए नेपाल के अपने 2018 के स्क्वाटर–आवास कानून, अनुच्छेद 37 के तहत पर्याप्त आवास के संवैधानिक अधिकार, और नेपाल द्वारा अनुसमर्थित अंतरराष्ट्रीय संधियों का हवाला दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी बेदखली अभियान के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एक मंत्री ने स्क्वाटरों से दुर्लभ व्यक्तिगत माफी मांगी है, यह कहते हुए कि स्थिति देखने में कठिन थीकृ एक स्वीकारोक्ति जो सरकार के इस निरंतर दावे के साथ असहज रूप से बैठती है कि उसका समग्र दृष्टिकोण कानूनी है। मार्च के चुनाव में करारी हार झेलने वाले दलों के लिए, इस संकट ने खुद को उसी वर्ग के रक्षक के रूप में फिर से पेश करने का अवसर दिया है जिसने उन्हें अस्वीकार किया था। सीपीएन–यूएमएल के निरज आचार्य ने तर्क दिया है कि जनादेश मनमानी शासन का लाइसेंस नहीं है, और सरकार से पुनर्वास पहले, स्थानांतरण बाद में की नीति अपनाने और नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग रोकने का आह्वान किया है। जनता समाजवादी पार्टी के महतो ने आगे बढ़ते हुए सरकार के पहले सौ दिनों को श्पुराने अधिनायकवाद की गंधश वाला बताया, और ध वस्त की गई बस्तियों, शिक्षा व स्वास्थ्य पर कराधान, तथा गणेश नेपाली के आत्मदाह को राज्य की संवेदनहीनता के प्रमाण के रूप में पेश किया।

संस्मरण – दहशत

बात उन दिनों की है जब भारत और पाकिस्तान का बटवारा माँगा गया । और युद्ध छिड़ चुका था, पाकिस्तान में हिन्दुओं को चुन – चुन कर मारा जा रहा था । हर तरफ लाशों के ढेर लगे हुए थे। महिलाएँ अपनी आबरू बचाने के लिए पानी और आग के कुओं में कूद कर जान दे रही थी। हर तरफ खौफनाक मंजर था। तब हमारे ससुर जी उनके चार भाई तीन बहनें छोटे – छोटे से हुआ करते थे। जान बचाना बहुत मुश्किल था। हर तरफ मौत का खतरा था ना घर पर रहना सुरक्षित था और ना ही बाहर निकलना। घरों में आग लगा दी जा रही थी। वहाँ के पड़ोसी मुस्लिम परिवार जो सालों से साथ – साथ रह रह थे। अपने सुख – दुख आपस में हिन्दू मुस्लिम बाँटा करते थे

उन परिवारों ने भी हिन्दू परिवारों की मदद की। ससुर जी के चाचाजी मिल्टरी में थे। उन्होंने इन सब की जान बचाई। ट्रक में सभी को चाचाजी ने छुपाकर बार्डर पार करवाया। किसी तरह छुप छुपाकर जान बचाई । खाने को एक दाना भी नसीब नहीं हुआ था। हाथों में चाँदी का गिलास तो था पर पानी पीने को नहीं था। बेचारे छोटे – छोटे बच्चे भूखे प्यासे सहमे रोते हुए चुपचाप ट्रक में बैठे रहे। इतना मन में डर था कि बच्चों ने मुख से एक शब्द भी ना निकाला था। बस जान बची सो लाखों पाए।

अवंतिका विशाल 'अवि'
लुधियाना (पंजाब)

विपक्ष को तोड़ने की भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक रणनीति घृणित

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत की संसद–राज्यसभा और लोकसभा दोनों–में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्ताधारी भाजपा ने विपक्षी राजनीतिक दलों को तोड़ने की राष्ट्रीय राजनीतिक रणनीति अपनाई है। 9 जुलाई 2026 को यह रणनीति बेशर्मी की हद तक पहुंच गई, जिससे लोकतंत्र और निष्पक्ष, नैतिक राजनीति को पसंद करने वालों में गहरी नाराजगी पैदा हुई है। पार्टी ने राज्यसभा के लिए तीन टीएमसी नेताओं को दोबारा नामांकित किया है, जिन्होंने 8 से 11 जून के बीच सदन से इस्तीफा दे दिया था। ये पूर्व टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश चिकबारिक हैं। भाजपा ने पिछले महीने ही उनसे राज्यसभा से इस्तीफा दिलवाया था, क्योंकि वह सदन में टीएमसी को तोड़ नहीं पा रही थी। राज्यसभा में टीएमसी के 13 सांसद थे, और किसी अन्य पार्टी (जैसे भाजपा) में विलय या अलग समूह बनाने के लिए 9 सांसदों की जरूरत थी। बिना सीट गंवाए कानूनी रूप से अलग होने के लिए, पार्टी के चुने हुए विध ायकों,सांसदों में से दो–तिहाई का किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी में विलय करने या नई राजनीतिक इकाई बनाने पर सहमत होना जरूरी है। जब भाजपा ऐसा कानूनी रूप से नहीं कर पाई, तो उसने उन सांसदों से सदस्यता से इस्तीफा दिलवा दिया, जिससे राज्यसभा में सीटें खाली हो गईं। इसके बाद, खाली सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव की जरूरत पड़ी और चुनाव की तारीख 24 जुलाई घोषित की गई। फिर भाजपा ने उन्हीं तीन सांसदों को पार्टी का टिकट दिया, जब वे 9 जुलाई को औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने अभी मई में ही पश्चिम बंगाल का चुनाव जीता है और विधानसभा में उसके पास 208 सीटें हैं। इसलिए, भाजपा तीनों सांसदों को फिर से राज्यसभा भेजने की स्थिति में है, लेकिन अब भाजपा सांसद के तौर पर। हालांकि, लोकसभा में भाजपा 28 में से 20 टीएमसी लोकसभा सांसदों को एक अलग इकाई बनाने के लिए मनाने में सफल रही। इस तरह लोकसभा में टीएमसी टूट गई, और अलग हुए समूह का विलय एनसीपीआई में हो गया, जो पूर्वोत्तर की एक कम जानी–मानी पार्टी है, हालांकि मूल रूप से पश्चिम बंगाल में रजिस्टर्ड है। ध्यान देने वाली बात है कि एनसीपीआई, भाजपा का समर्थन करती है और एनडीए का हिस्सा है। लोकसभा स्पीकर ने अभी तक इस विलय को मंजूरी नहीं दी है, और टीएमसी इसका विरोध करते हुए मांग कर रही है कि बागी सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए। वहीं कोलकाता में, टीएमसी के 80 में से 60 से ज्यादा विधायकों ने रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व में एक अलग गुट बना लिया है, जिन्हें विध ानसभा स्पीकर ने विपक्ष का नेता माना है। स्पीकर के फैसले के आधार पर, इस अलग हुए गुट ने दावा किया है कि वे ही श्असली टीएमसीश हैं और उन्होंने मान्यता के लिए भारत के चुनाव आयोग में आवेदन भी किया है। ममता बनर्जी को भाजपा की इस साध्जिश का मु+काबला करना होगा, ताकि पार्टी की संस्थापक होने के नाते वह पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न अपने पास बनाए रख सकें। फिर भी, महाराष्ट्र का अनुभव बताता है कि न तो शरद पवार अपनी पार्टी एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न बचा पाए और न ही उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न। यह सब भाजपा की उस पेंचीदा राजनीति की वजह से हुआ, जिस पर विपक्षी राजनीतिक दलों को तोड़ने और विपक्षी सरकारों को गिराने की रणनीति अपनाने का आरोप लगता रहा है। 2026 की शुरुआत में ही, भाजपा ने आप के 7 राज्यसभा सांसदों से अलग गुट बनवा कर उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया था। पार्टी के अहम पदों से हटाए जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों ने औपचारिक रूप से भाजपा का दामन थाम लिया। इन सांसदों में राघव चड्ढा, संदीप पाठक, डॉ. अशोक कुमार मित्तल, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। इस बदलाव से उच्च सदन में आप की संख्या 10 से घटकर सि+र्फ तीन रह गई, जबकि भाजपा की संख्या बढ़कर 113 हो गई। फिलहाल, राज्यसभा में भाजपा की अपनी संख्या 114 है, जो भाजपा के टिकट पर दोबारा चुने जाने वाले पूर्व टीएमसी सांसदों के आने के बाद 117 हो जाएगी। हालांकि, इससे राज्यसभा में भाजपा की संख्या पार्टी के इतिहास में सबसे ज्यादा हो जाएगी, फिर भी यह बहुमत के आंकड़े से छह कम होगी, जिसकी उसे सख्त जरूरत है। राज्यसभा में बहुमत का आंकड़ा 123 है। फिर भी, तीन निर्दलीय सदस्य पार्टी का समर्थन कर रहे हैं, और सात मनोनीत सदस्य भी हैं। कुल मिलाकर, उनकी संख्या 127 हो जाएगी, जो साधारण बहुमत से चार ज्यादा है। एनडीए में भाजपा के सहयोगियों के पास 26 और सांसद हैं, और इसलिए, राज्यसभा में एनडीए की कुल सीटें 153 होंगी। यह संख्या सदन में किसी भी संवैध ानिक संशोधन को पास करने के लिए जरूरी दो–तिहाई बहुमत (164 सीटें) से 11 कम हैकृजिसे भाजपा नेतृत्व हासिल करने की कोशिश कर रहा है, खासकर परिसीमन जैसे मामलों में। लोकसभा की बात करें तो, एनडीए के पास अब 318 सीटें हैं, इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के पास 184 सीटें हैं और अन्यधनिर्दलीय के पास 38 सीटें हैं। तीन सीटें खाली हैं।

दो–तिहाई बहुमत के लिए एनडीए को 362 वोटों की जरूरत होगी। इसलिए, हम देखेंगे कि भाजपा आने वाले समय में और भी गंदी राजनीति करेगी,जैसा कि हमने पहले भी देखा है। सिर्फ अपनी ताकत बढ़ाने के लिए, बिना किसी नैतिकता या उसूलों की परवाह किए। बंगाल में, राज्य भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा था कि उनकी पार्टी किसी भी बागी टीएमसी नेता को अपनी पार्टी में शामिल नहीं करेगी। लेकिन अब उनका कहना है कि हालिया शामिल होने की घटना एक अपवाद है, न कि तय नीति से कोई विचलन। यह भाजपा नेताओं के असली रंग को दिखाता है। ऐसी खबरें हैं कि भाजपा और भी राजनीतिक दलों और नेताओं को तोड़ने की कोशिश कर रही है, या कम से कम गाजर और छड़ी (लालच और दबाव) की नीति समेत कई तरीके अपना कर उनका समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है, जिसमें लोकतांत्रिक नियमों, नैतिकता और मूल्यों का कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है। यह तो अनुमान का ही विषय है कि भारत किस दिशा में बढ़ रहा है।

अनु मलिक ने आंखों में बसे हो तुम के 31 साल पूरे होने का मनाया जश्न, बोले-सुनील शेट्टी और सोनाली ने...

म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अनु मलिक ने अपने मशहूर रोमांटिक गाने आंखों में बसे हो तुम के 31 साल पूरे होने की खुशी मनाई है। सोशल मीडिया पर गाने का एक वीडियो साझा करते हुए उन्होंने इस सफर को याद किया और फैंस का शुक्रिया अदा किया। अनु मलिक ने इंस्टाग्राम पर आंखों में बसे हो तुम गाने का एक वीडियो साझा किया है। इसके साथ अनु ने लिखा कि इस खूबसूरत याद को 31 साल हो गए हैं, लेकिन आज भी ऐसा लगता है जैसे यह कल की ही बात हो। वक्त भले ही बीत गया, पर इस गाने का जादू आज भी बरकरार है। अनु मलिक ने अभिनेता सुनील शेट्टी और अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे की जमकर तारीफ की। अनु मलिक ने कहा कि दोनों ने अपनी बेहतरीन अदाकारी और शानदार केमिस्ट्री से आंखों में बसे हो तुम गाने में जान डाल दी। इस खास पोस्ट में अनु ने इतने साल तक आंखों में बसे हो तुम गाने को प्यार देने के लिए दर्शकों का दिल से आभार जताया। अनु ने कहा कि फैंस के प्यार की वजह से ही यह गाना आज भी लोगों की जुबान पर है। आंखों में बसे हो तुम गाना 1995 में आई रोमांटिक थ्रिलर फिल्म टक्कर का है, जो 1995 को रिलीज हुई थी। इसे मशहूर गायक कुमार सानू और अलका याग्निक ने अपनी आवाज दी थी। इसका संगीत अनु मलिक ने तैयार किया था। भरत रंगाचारी के निर्देशन में बनी फिल्म टक्कर में सुनील शेट्टी और सोनाली बेंद्रे के अलावा नसीरुद्दीन शाह, कादर खान और मोहन जोशी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल थे। इस फिल्म के ज्यादातर गाने दर्शकों को पसंद आए थे। अनु मलिक पिछले 40 से ज्यादा साल से हिंदी सिनेमा में एक्टिव हैं। उन्होंने

> “ भरत रंगाचारी के निर्देशन में बनी फिल्म टक्कर में सुनील शेट्टी और सोनाली बेंद्रे के अलावा नसीरुद्दीन शाह, कादर खान और मोहन जोशी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल थे।

कई सुपरहिट फिल्मों में संगीत दिया है और कई मशहूर गाने भी गाए हैं। अनु ने एक गरम चाय की प्याली हो, ऊंची है बिल्डिंग और गोरी गोरी जैसे गाने गाए हैं।

एक्ट्रेस श्रुति हासन ने चेन्नई में खरीदा अपना नया घर, गृह प्रवेश की तस्वीरें हुई वायरल

अभिनेत्री श्रुति हासन ने अपने गृह नगर चेन्नई में नया घर खरीदा है। उन्होंने पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ इस नए आशियाने में गृह प्रवेश किया। इस खास मौके की खूबसूरत झलकियां उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की, जिनमें वह पूजा–अर्चना करनी नजर आ रही हैं। श्रुति हासन के गृह प्रवेश की तस्वीरों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में वह अपने नए घर में पारंपरिक पूजा–अर्चना करती नजर आ रही हैं। पूजा के दौरान उनके सामने प्रसाद, मिठाइयां और नए घर की चाबियां भी रखी हुई दिखाई दे रही हैं। इस खास पलों की झलक सबसे पहले उनके फैन पेजों पर साझा की गई, जिसके बाद एक पैपराजी अकाउंट ने भी तस्वीरें पोस्ट कीं। पोस्ट के कैप्शन में बताया गया कि श्रुति हासन ने चेन्नई स्थित अपने नए घर में पारंपरिक गृह प्रवेश के साथ जिंदगी की नई शुरुआत का जश्न मना रही हैं और यह पल उनके लिए बेहद खास है। श्रुति हासन के काम की बात की जाए तो 2025 में वो फिल्म कूली में नजर आई थीं। रजनीकांत के साथ इस फिल्म में उन्होंने काम किया था। इस साल श्रुति हासन फिल्म निर्माता बुची बाबू सना की फिल्म पेद्दी में राम चरण और जाह्नवी कपूर के साथ एक विशेष गाने में दिखाई दी थीं। वहीं, उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में आकाशमलो ओका तारा और ट्रेन जैसी फिल्में शामिल हैं।

आकांक्षा चमोला ने फिर किए बड़े खुलासे, कहा- `गौरव से नहीं लूंगी दूसरी शादी की सलाह' तलाक के बाद रहेंगी अकेले

चर्चित अभिनेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला इन दिनों लॉकअप सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इस शो को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। हाल ही में आकांक्षा ने बताया था कि उनका और गौरव खन्ना का तलाक हो रहा है। अब शो के कंटेस्टेंट राम कपूर के साथ एक्ट्रेस ने दूसरी शादी पर भी खुलकर बात की। हाल ही में एक एपिसोड के दौरान, जब को–कॉन्टेस्टेंट राम कपूर ने कहा कि आकांक्षा दूसरी शादी के लिए गौरव खन्ना से सलाह ले सकती हैं, तो आकांक्षा चमोला ने तुरंत इस बात को ठुकरा दिया। राम कपूर ने कहा, 'गौरव खन्ना अच्छे इंसान हैं। क्या उन्होंने तुम्हारे साथ गलत व्यवहार किया?' इस पर आकांक्षा ने दोनों सवालों का जवाब 'नहीं' में दिया। राम ने आगे कहा, 'ये कुछ वैसा ही है जैसे गौतमी का मामला है। उनके पहले पति भी अच्छे इंसान थे। इससे तुम्हें भी मदद मिलेगी। अगर तुम्हें दूसरी शादी की सलाह चाहिए, तो गौरव सबसे अच्छे हैं।' इस पर आकांक्षा ने तुरंत जवाब दिया, 'ये समाज की बात नहीं है। मैं कभी भी गौरव से शादी की सलाह नहीं लूंगी।' राम ने आगे कहा, 'मैं तुम्हें इस देश की एक सच्चाई बताता हूं। कुछ जगहों पर लोग उसे घर किराए पर नहीं देंगे, क्योंकि वो सिंगल है, तलाकशुदा है या एक महिला है। आप गलत इंसान के साथ खुश नहीं रह सकते। आपको ऐसा इंसान चाहिए जो आपको समझ सके। तुम्हारे जैसी लड़की को संभालना आसान नहीं है, ये एक चौलेंज है। गौतमी मुझे हर दिन चौलेंज करती हैं, लेकिन मुझे अच्छा लगता है क्योंकि मैं खुद ये करना चाहता हूं। तुम्हें भी ऐसा ही इंसान चाहिए, लेकिन भारत में ये आसान नहीं है।'

इसके अलावा को–कॉन्टेस्टेंट पामेला के साथ बातचीत में आकांक्षा ने कहा, 'मैंने बहुत कम उम्र में शादी कर ली थी, मैं 24 साल की थी।' इस पर पामेला ने कहा, 'तुम अभी भी जवान हो, तुम्हें कोई मिल जाएगा।' आकांक्षा ने जवाब दिया, 'मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मुझे लगता है कि मैं अब इससे आगे बढ़ चुकी हूं। लेकिन अपनी जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहने वाली हूं। न अपने माता–पिता के साथ और न ही पति के साथ। मेरा अपना घर होगा और अब मैं अपनी जिंदगी अकेले जीऊंगी।' बाद के एपिसोड्स में आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने 10 साल की शादी के बाद तलाक क्यों लिया। लॉकअप सीजन 2 में बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'जब हम शादी में थे, तब मुझे कभी भी मां बनने का एहसास नहीं हुआ। लेकिन मैं इसे समझने के लिए तैयार थी। धीरे–धीरे मुझे एहसास हुआ कि मैं इसके लिए बनी ही नहीं हूं। गौरव भी इस बात को समझते थे, लेकिन समय के साथ चीजें बदल गईं।' हाल ही में आकांक्षा ने कहा कि तलाक के बाद वो दोबारा शादी नहीं करेंगी। उन्होंने ये भी बताया कि अब वो न पुरुषों के साथ और न ही महिलाओं के साथ किसी रोमांटिक रिश्ते में रहना चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'सेक्सुअलिटी समय के साथ बदलती रहती है। ये आपकी जिंदगी के फेज पर निर्भर करता है। अभी मेरा तलाक हो रहा है और मुझे अभी किसी के साथ भी रिलेशन नहीं चाहिए– न पुरुषों के साथ, न महिलाओं के साथ। ये मेरा एक अलग फेज है, जिसे एसेक्सुअलिटी कहा जाता है।' आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना ने 2016 में शादी की थी। दोनों लंबे समय तक एक–दूसरे को डेट करने के बाद शादी के बंधन में बंधे थे। यह जोड़ी टीवी की पॉपुलर कपल्स में से एक मानी जाती थी और अक्सर सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की झलक दिखाती रहती थी।

हो सकता है राम लला हमें कोई संदेश देना चाहते हों... राम मंदिर घोटाले पर छलका सिंगर अनुराधा पौडवाल का दर्द

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित गड़बड़ी के मामले ने हाल के दिनों में देशभर में चर्चा और विवाद विवाद खड़ा कर दिया है। इस मामले में लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई है और जांच के दौरान आठ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। इसी बीच, प्रसिद्द भजन गायिका अनुराधा पौडवाल ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने अपने करियर, विवादों और भक्ति संगीत से जुड़े कई पहलुओं पर खुलकर बात की। जब उनसे राम मंदिर से जुड़े कथित घोटाले पर सवाल किया गया, तो उन्होंने इस बेहद दुखद बताते हुए कहा कि यह घटना किसी बड़े तमाचे से कम नहीं है। अनुराधा पौडवाल ने कहा कि राम मंदिर से जुड़ी यह खबर उनके लिए बेहद चौंकाने वाली थी। उनके मुताबिक, इस घटना ने उन्हें पूरी तरह स्तब्ध कर दिया और कुछ पल के लिए वह समझ ही नहीं पाईं कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में हजारों मंदिर हैं, जो करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं लेकिन अयोध्या में रामलला का मंदिर पूरे देश की श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। इसके बाद उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। राम मंदिर के निर्माण के लिए लोगों ने करीब 500 वर्षों रक इन्तजार किया और लंबे संघर्ष के बाद यह सपना पूरा हुआ इसलिए इस तरह की घटना लोगों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने वाली है। अनुराधा पौडवाल ने कहा क इस पूरे मामले ने उन्हें गहरा दुख पहुंचाया। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने उनसे कहा कि ऐसी घटनाओं से भगवान राम के प्रति लोगों की आस्था कम हो जाएगी। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि इसमें भगवान राम की कोई गलती नहीं है, गलती इंसानों की है इसलिए इसका दोष भगवान को नहीं दिया जा सकता। उन्होंने आगे कहा की शायद रामलला इस घटना के जरिए समाज को कोई महत्वपूर्ण संदेश देना चाहते हों। उनके मुताबिक, राम मंदिर का निर्माण देश के लिए गर्व और आस्था का प्रतीक माना गया था और इसे भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में एक अहम कदम समझा जा रहा था लेकिन इस तरह की घटना ने सभी को झकझोर दिया और यह किसी बड़े सदमे से कम नहीं थी। अनुराधा पौडवाल ने कहा कि इस घटना के बाद उनके मन में गहरा डर पर निराशा पैदा हो गई थी। उन्होंने आत्ममंथन करते हुए महसूस किया कि जिस चीज से इंसान सबसे ज्यादा जुड़ाव रखता है, उसी से ठेस लगने पर सबसे अधिक दर्द होता है। पहले जिस उत्साह और श्रद्धा के साथ लोग राम मंदिर जाते थे, अब इस घटना ने उनके मन को भारी कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी एक व्यक्ति की गलती सामने आती तो उसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता था लेकिन जब अपने ही लोग इस तरह के आरोपों में घिर जाएं तो दुःख और बढ़ जाता है। उनके मुताबिक, ऐसा लगता है कि कुछ लोगों ने भक्ति और सेवा की भावना से नहीं बल्कि आर्थिक लाभ के उद्देश्य से काम किया। उन्होंने कहा की सच्चे रामराज्य का अर्थ लोगों में आस्था, ईमानदारी और नैतिकता का जागना है लेकिन जब अपने ही विश्वास को ठेस पहुंचाते हैं, तो वह सबसे ज्यादा पीड़ादायक होता है।

रानी मुखर्जी को मिलेगा प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट सम्मान, आईएफएफएम 2026 में होंगी सम्मानित

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रानी मुखर्जी के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय सिनेमा में रानी के शानदार योगदान और सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी उन्हें डॉक्टर ऑफ लेटर्स की मानद डिग्री देगी। यह सम्मान रानी को 14 अगस्त 2026 को मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) के फेडरेशन स्क्वायर में एक खास समारोह के दौरान दिया जाएगा। यह समारोह इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 का हिस्सा होगा, जो 13 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। एएनआई के अनुसार, रानी मुखर्जी को यह सम्मान दो मुख्य वजहों से दिया जा रहा है। रानी को यह सम्मान सिनेमा में तीन दशकों का सफर तय करने के लिए और सामाजिक कार्य के लिए दिया जाएगा। रानी ने ब्लैक, हिचकी, मर्दानी और मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, मानसिक और सामाजिक बदलाव जैसे जरूरी मुद्दों को उठाया है। फिल्मों के अलावा, वे बच्चों की सेहत, पढ़ाई और गरीब व कमजोर वर्गों की मदद के लिए हमेशा आगे रही हैं। इस सम्मान पर खुशी जताते हुए रानी मुखर्जी ने कहा, ला ट्रोब यूनिवर्सिटी से यह सम्मान पाना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। सिनेमा मेरे जीवन का सबसे बड़ा गुरु रहा है और मुझे हमेशा से ऐसी कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो हिम्मत और बदलाव की बात करती हैं। रानी ने आगे कहा, मैं इस खास सम्मान को अपनी मातृभूमि भारत और दुनिया भर के अपने उन फैंस को समर्पित करती हूं, जिनके प्यार ने मुझे यहां तक पहुंचाया है।

हाथ–पैरों की मांसपेशियों में बना रहता है दर्द तो इन फूड्स को डाइट में करें शामिल

कई बार अचानक से हाथ–पैरों में दर्द होने लगता है। ये दर्द कभी कुछ सेकेंड में ठीक हो जाता है तो कभी काफी देर तक बना रहता है। मसल्स में होने वाले इस दर्द का ठीक कारण अभी तक नहीं पता। लेकिन कई बार डिहाइड्रेशन, ज्यादा दवाओं को खाने, किसी मेडिकल कंडीशन, न्यूरोमस्कुलर की असामान्य हरकतों या फिर बहुत ज्यादा मेहनत या एक्सरसाइज की वजह से होने लगता है। शरीर की मसल्स में होने वाले इस अचानक दर्द को फूड्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। मैग्नीशियम, विटामिन डी और कुछ प्रकार के विटामिन बी से भरपूर फूड्स मसल्स में होने वाले दर्द में राहत पहुंचा सकते हैं।

अगर शरीर के कुछ हिस्सों में दर्द होता है तो इन 8 फूड्स को डाइट में शामिल करें।

तरबूज

कई बार शरीर में पानी की कमी मसल्स क्रैंप का कारण होती है। मसल्स को ठीक से काम करने के लिए हाइड्रेशन की जरूरत होती है। पानी की कमी शरीर में मसल्स के काम करने की क्षमता को कम कर देती है। जिसकी वजह से दर्द होता है। तरबूज में पानी की काफी ज्यादा मात्रा होती है। साथ ही मैग्नीशियम और पोटैशियम का रिच सोर्स है, जो मसल्स में उठने वाले दर्द से राहत देने के लिए जरूरी है। इसलिए अगर हाथ–पैर या शरीर के किसी हिस्से की मसल्स में दर्द रहता है तो तरबूज को डाइट में शामिल करें।

नारियल पानी

एथलीट अपने शरीर की थकान दूर करने और मसल्स को रिजुनवेट करने के लिए नारियल पानी पीते हैं। नारियल पानी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को दूर करता है। इसके साथ ही नारियल पानी में कैल्शियम, पोटैशियम, सोडियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस पर्याप्त मात्रा में होता है। जो मसल्स के दर्द को कम करने में मदद करता है।

शकरकंद

शकरकंद काफी हेल्दी सब्जी है और इसमे विटामिन, मिनरल्स और कई सारे कंपाउंड्स होते हैं जो मसल्स क्रैंप को कम करने में मदद करते हैं। 200 ग्राम मैश शकरकंद की मदद से दिनभर के पोटैशियम का 13 प्रतिशत मिल जाता है। जो दर्द से राहत देने में काम करता है।

ग्रीक योगर्ट

ग्रीक योगर्ट हेल्दी डेयरी प्रोडक्ट है। जिसमे पोटैशियम, फास्फोरस और केल्शियम की काफी ज्यादा मात्रा होती है। जो मसल्स क्रैंप के साथ ही तेज हार्टबीट को भी रेगुलेट करता है।

पपीता

पपीता हेल्दी फ्रूट है, जिसमे हाई अमाउंट में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। एक स्टडी में पाया गया कि जो महिलाएं पोटैशियम रिच फूड्स जैसे पपीता ज्यादा मात्रा में खाती हैं उन्हें मसल्स क्रैंप होने का खतरा कम होता है।

सालमन फिश

सालमन फिश काफी ज्यादा हेल्दी फिश है। जिसे केवल ओमेगा 3 फैटी एसिड ही नहीं बल्कि रिच प्रोटीन सोर्स और मैग्नीनिशियम, फास्फोरस, पोटैशियम, आयरन होता है। जो ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन के लिए जरूरी है। साथ ही सालमन फिश मसल्स क्रैंप के लिए भी फायदेमंद है।

बच्चा एक बार में ही सुन लेगा आपकी सारी बात, नहीं पड़ेगी दोहराने की जरूरत

ज्यादातर पैरेंट्स की शिकायत होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुनते। जब तक कि एक ही बात उनको कई बार करने को ना बोला जाए। अगर आपका बच्चा भी आपकी बात को अनसुना कर देता है। तो अपनी बात को बार–बार दोहराने की बजाय इस तरह से बच्चे से बोलें। फिर देखें कैसे आपका बच्चा हर बार आपकी बात को ध्यान से सुनेगा और समझेगा।

बातों को ना दोहराएं

बच्चा अगर आपकी बात एक बार में नहीं सुन रहा तो बात को तुरंत ना दोहराएं। ऐसा करने से बच्चों की आदत बन जाएगी कि वो आपकी बात एक बार में ना सुनें। उन्हें पता होगा कि मम्मी या पापा दोबारा अपनी बात को जरूर कहेंगे। तब वो सुन लेगा या कर लेगा।

बोलने से पहले बच्चे की अटेंशन लें

अगर आपका बच्चा स्टडी कर रहा, स्क्रीन देख रहा या फिर ड्राइंग कर रहा, तो भूल जाइए कि वो आपकी बात को एक बार में सुन लेगा। बच्चे किसी काम को फोकस होकर करते हैं, ऐसे में हो सकता है कि एक बार में वो आपकी बात पर ध्यान ही ना दे पाए। इसलिए सबसे पहले अपनी तरफ बच्चे की अटेंशन लें। इसके लिए आप उसके कंधे पर थपथपा सकते हैं या बुला सकते हैं। और फिर कुछ समय उसके रिएक्ट करने का इंतजार करें। जब वो आपको अटेंशन दें तब ही अपनी बात को बोलें।

बच्चे को दूसरा मौका दें

काम के बीच में बोलने पर हो सकता है कि उसने आपकी बात पर गौर ना किया हो। इसलिए फौरन चिल्लाने की बजाय कुछ टाइम दें। बच्चे कई बार एक चीज से दूसरी चीज पर फोकस करने में टाइम लेते हैं। ऐसे में उसे बात कहने के बाद कुछ देर रुकें। इस टाइम गैप में वो आपकी बात को समझ जाएगा।

कम शब्द यूज करें

बच्चे को कोई बात समझानी है या फिर कोई काम करने के लिए बोलना है तो कम शब्दों में बोलें। बच्चे बहुत ढेर सारे सेंटेंस नहीं समझ पाते और आपकी बात को ठीक से नहीं समझेंगे। इसलिए हमेशा कुछ शब्दों में ही उसे बात समझाएं।

हंसकर बात करें

अपने बच्चे से कोई बात कहते समय हमेशा हंसते हुए, शांत भाव से और बातों पर जोर देकर बोलना चाहिए। जिससे कि वो आसानी से बातों को समझ जाए।

बच्चे की हेल्प के बहाने उसे समझाएं

बच्चा अगर आपकी बात को सुनकर भी अनसुना कर रहा है तो उसे काम करके समझाएं। जैसे कि बच्चा अगर टाइम से स्कूल यूनिफार्म नहीं पहन रहा तो उसे हाथ में देते हुए समझाएं कि उसकी बस लेट हो जाएगी और वो स्कूल में लेट पहुंचेगा। इसलिए आप उसकी हेल्प कर रही हैं। ये तरीका बच्चों को जल्दी समझाने में मदद कर सकता है।

बच्चे पर चिल्लाने की बजाय हेल्प करें

बच्चा अगर आपकी बात को नहीं सुन रहा तो उस पर चिल्लाने की बजाय उसके कामों को खत्म करने में हेल्प करें और समझाएं कि आप उसके टास्क को खत्म करने में उसकी हेल्प करना चाह रही हैं। खुद की सहभागिता–

अगर आप अपने बच्चे को किसी चीज को करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं तो सबसे पहले माता–पिता खुद को भी उस कार्य में शामिल करें। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को किसी खेल, पढ़ाई संबंधी विषय या अन्य किसी काम के प्रति प्रेरित करना चाहते हैं, तो पेरेंट्स को पहले खुद उस विषय में अपनी रुचि दिखानी चाहिए ताकि, बच्चा भी उस चीज में इंटरेस्ट ले सकें।

बच्चे की बातों को टालें –

अक्सर पेरेंट्स बच्चों की बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। ऐसे में बच्चे निराश होने लगते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि उनके पास चाहे कितना भी जरूरी काम क्यों न हो वो अपने बच्चों के लिए टाइम हमेशा निकाले। उनकी बातों को ध्यान से सुनकर उसका जवाब जरूर दें। उससे बात करें कि वह कौन–कौन सी प्रतियोगिता में भाग ले रहा है या फिर उसे किसी चीज में आपकी मदद की जरूरत तो नहीं है। ऐसी बातें बच्चों से करने से उनका मनोबल बढ़ता है।

परिणाम समझाएं–

बच्चे को सही और गलत के बीच का फर्क समझाते हुए प्यार और धैर्य से काम लें। उसे समझाएं कि वह जो काम कर रहा है उसका परिणाम क्या हो सकता है। इसका उसके ऊपर क्या असर हो सकता है।

तारीफ करें–

माता–पिता को बच्चे के कोशिश करने पर उसका हौसला बढ़ाना चाहिए। हौसला बढ़ाने के लिए उसकी तारीफ करें। भले ही बच्चे को किसी काम को करने में सफलता न मिली हो, लेकिन उसकी मेहनत और कोशिश के लिए उसकी सराहना जरूर करें। ऐसा करने से बच्चे को खुशी मिलेगी और वो अगली बार और मेहनत के साथ वह काम पूरा करने की कोशिश करेगा।

रिवार्ड दें–

बच्चों को गिफ्टस बहुत पसंद होते हैं। ऐसे में बच्चों का मनोबल बढ़ाने की यह भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। बच्चे की हर उपलब्धि के लिए उसे उसका मनपसंद गिफ्ट दें।

बच्चों को हंसाने के लिए करते हैं गुदगुदी तो हो जाएं सावधान, ये होते हैं साइड इफेक्ट्स

आपने अक्सर कुछ पेरेंट्स को अपने बच्चों को हंसाने के लिए गुदगुदी करते हुए देखा होगा। हो सकता है आपने भी कभी ऐसा किया होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं ऐसा करके आप अनजाने में ही अपने बच्चे को तकलीफ पहुंचा रहे होते हैं। जी हां, यह बात सच है, कई पेरेंट्स को यब बात जानकर हैरानी हो सकती है कि 4 महीने का बच्चा हंसता नहीं है। उस समय तक उसे हंसी की कोई सेंसेशन तक महसूस नहीं होती है। कोई भी शिशु 6 महीने में हंसना शुरू करता है। ऐसे में जब उसे गुदगुदी करते हैं तो एक नवजात शिशु जो ठीक से बोल भी नहीं सकता, वह आपको नहीं बता पाता की उसे गुदगुदी पसंद है या नहीं। ऐसा करने से उसे तकलीफ होती है और आपको लगता है कि आपका बच्चा खुश होकर हंस रहा है।

दो तरह की होती है गुदगुदी–

गुदगुदी शरीर में फील होने वाली एक सनसनी होती है, जो शरीर के किसी भी खास अंग को छूने से हो सकती है। आम तौर पर गुदगुदी दो तरह की होती है। पहली, नाइस्मिसिस अच्छा महसूस कराने वाली, जो हंसी से जुड़ी नहीं होती है और दूसरी गार्गलेसिस तेज महसूस होने वाली, जिसमें गुदगुदी वाले क्षेत्र जैसे बगल, हथेली, तलवा आदि पर एक तेज दबाव दिया जाता है, जिस वजह से गुदगुदी होती है।

बच्चे को गुदगुदी करने के साइड इफेक्ट्स–

दर्द– अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक शोध में इस बात को कहा गया है कि शिशु को गुदगुदी करने से उसे दर्द का अनुभव हो सकता है। पहले भी कई ऐसी घटनाएं देखी जा चुकी हैं जिसमें गुदगुदी की वजह से कई लोगों की मृत्यु तक हो गई है। बता दें, हल्की फुल्की गुदगुदी नुकसानदायक नहीं होती है। लेकिन लंबे समय तक की जाने वाली तेज गुदगुदी शिशु के लिए दर्द का कारण बन सकती है।

परेशान– छोटे बच्चे अपनी बातों को बोलकर दूसरों को नहीं समझा सकते हैं। ऐसे में गुदगुदी से होने वाली परेशानी या असुविधा के बारे में भी वो बड़ों को नहीं बता पाते। जिसकी वजह से कई बार शिशु चिड़चिड़े होकर रोने भी लग जाते हैं।

हिचकी– लंबे समय तक बच्चे को गुदगुदी करने से उसे हिचकी आने लगती है। जिसकी वजह से बच्चे को असुविधा महसूस हो सकती है, जिसे बच्चा बोलकर व्यक्त नहीं कर सकता है। दरअसल, लंबे समय तक बच्चे को गुदगुदी करने से बच्चे को छाती और पेट में दर्द महसूस हो सकता है। गुदगुदी करने पर बच्चा छोटी सांसे लेने लगता है जिससे मुंह में हवा भर जाती है। इससे बच्चे को हिचकी आने लगती हैं।

चोट–

अगर आपको लगता है कि गुदगुदी बच्चे के लिए एक एक्सरसाइज है तो आप बिल्कुल गलत हैं। गुदगुदी के दौरान शिशु अपने अंगों को जोर से झटक सकता है। जिसकी वजह से उसके बाहरी या अंदरूनी अंगों में चोट भी लग सकती है।

बारिश में ऐसे फुटवियर पहनना है सही, स्लिप होने से बच जाएंगे

बारिश का मौसम है, चारों तरफ पानी और कीचड़ लगा हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि घर से निकलते वक्त सावधानी रखी जाए। नहीं तो किसी भी वक्त फिसलने का डर बना रहता है। खासतौर पर अगर पैरों में सही फुटवियर नहीं पहनी तो स्लिप हो सकते हैं। वहीं बारिश में भीगने पर कुछ फुटवियर खराब हो जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि जब भी बारिश के सीजन में घर से बाहर निकल रहे हों तो इस तरह के फुटवियर को पहनें। जिससे स्लिप होने से बच सकें।

लेदर ना पहनें

बारिश के मौसम में ऐसे शूज का चुनाव करें जिनका सोल पीवीसी या फिर रबर मैटेरियल से बना हो। तमाम कंपनियों के शूज इस मटैरियल के बने होते हैं। जिन्हें बारिश के मौसम में आराम से पहना जा सकता है। ये आसानी से नहीं फिसलते और स्लिप होने से बचा लेते हैं।

वाटरप्रूफ बूट्स

बारिश में पहनने के लिए अलग से वाटरप्रूफ शूज आते हैं। इन्हें अपने पास जरूर रखें। ये ना केवल आसानी से साफ हो जाते हैं बल्कि इनका मटेरियल स्लिप प्रूफ होता है। साथ ही इसकी लंबाई भी एंकल के ऊपर होती है। जिसकी वजह से आपके कपड़े भी कम गंदे होंगे। इन बूट्स पर इनवेस्ट करना बारिश के सीजन में अच्छा ऑप्शन है।

स्किम्मर शूज

रबर और लेदर मिक्स ये शूज बारिश में फिसलने से बचाते हैं और काफी फ्लेक्सीबल होते हैं।

पैरों की सेहत के लिए रखें इन बातों का ध्यान

–शूज पहनने से पैर के नाखूनों में फंगल इंफेक्शन का खतरा रहता है। इसलिए बारिश में खुले और पैरों में हवा लगने वाले फुटवियर पहनना सही है।

–फ्लिप–फ्लॉप, स्लिप ऑन्स जैसे स्लिपर बारिश के लिए पहली पसंद होते हैं। ये दिखने में स्टाइलिश लगते हैं और पैरों को भी सेफ रखते हैं।

–हालांकि स्लिपर पतले तले वाला ना हो, इस बात का ध्यान रखें कि स्लीपर के तले मोटे हों। जिससे पैर फिसलने से बचा रहे।

संक्षिप्त

जापान ओपन में भारत को निराशा, आयुष-उन्नति और लक्ष्य हारकर टूर्नामेंट से बाहर

अटलांटा,एजेंसी। युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को संघर्षपूर्ण मुकाबलों में हार गए जबकि लक्ष्य सेन को सीधे गेम में पराजय मिली। एशिया चौम्पियनशिप के उपविजेता आयुष को दूसरी वरीयता प्राप्त पूर्व विश्व चौम्पियन थाईलैंड के कुन्लावुत वितिदसर्न ने 21–19, 23–25, 21–15 से हराया । विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज उन्नति को चीनी ताइपै की हुआंग यू सुन ने 16–21, 21–16, 21–15 से मात दी। आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य को स्थानीय खिलाड़ी कोकी वातानाबे ने 38 मिनट में 21 –16, 21–14 से हराया। भारत के तीनों खिलाड़ी पहले दौर की बाधा भी पार नहीं कर सके जो अगले महीने दिल्ली में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले अच्छा संकेत नहीं है। भारत 17 साल बाद इसकी मेजबानी कर रहा है। अब भारत की उम्मीदें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित टीम पर टिकी हैं। सिंधू का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त चीन की हान युइ से होगा जबकि ध्रुव और तनीषा शीर्ष वरीयता प्राप्त फेंग यान झि और हुआंग डोंग पिंग से खेलेंगे ।

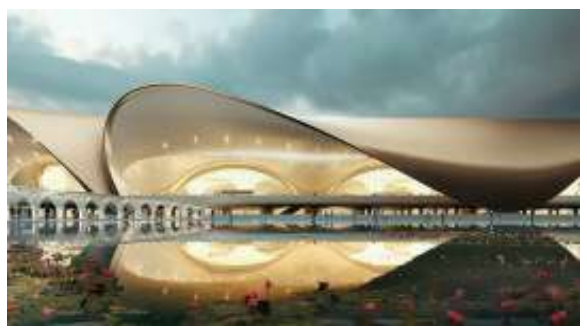

नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान की शुरुआत, अबू धाबी के लिए पहली सेवा शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने बुधवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू कर दी हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अबू धाबी के लिए पहली विदेशी उड़ान का संचालन किया। करीब 100 यात्रियों को लेकर यह उड़ान सुबह 2रू55 बजे (आईएसटी) रवाना हुई। इसने लगभग 2.30 घंटे में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित की गई। उड़ान भरने से पहले, विमान के पायलट ने इसे एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण यात्रा बताया। एयर इंडिया एक्सप्रेस सप्ताह में तीन बार अबू धाबी के लिए उड़ानें संचालित करेगी। यात्री शाकिर आबिद ने अपनी पत्नी और बेटी के साथ इस पहली उड़ान में यात्रा की। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा अच्छी यादें बनाने के बारे में है। वे अबू धाबी से मस्कट के लिए कनेक्टिंग उड़ान लेंगे। वहां वे अपनी बेटी सफा आबिद का तीसरा जन्मदिन मनाएंगे। इस पहली उड़ान में एनएमआईए की पहली वैश्विक खराब होने वाली निर्यात खेप भी ले जाई गई। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) का विकास कई चरणों में किया जा रहा है। इसने 25 दिसंबर, 2025 से घरेलू सेवाएं शुरू की थीं। सात महीने से भी कम समय में, एनएमआईए ने 46 घरेलू गंतव्यों को जोड़ा है। इसने 2.3 दस लाख से अधिक यात्रियों को सेवा दी है। अब यह प्रतिदिन करीब 150 एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स (एटीएम) को संभालता है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के अध्यक्ष निपुण अग्रवाल ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में बताया। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई उनकी दोहरी एयरपोर्ट रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ है। यह मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नेटवर्क को पूरक बनाता है। अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसल ने कहा। उन्होंने बताया कि पहली निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ान का शुभारंभ एनएमआईए की यात्रा में एक नए चरण की शुरुआत है। इस एयरपोर्ट का विकास एनएमआईएएल (नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) द्वारा कई चरणों में किया जा रहा है। एनएमआईएएल एक विशेष प्रयोजन वाहन है। इसमें एएएचएल की 74 फीसदी हिस्सेदारी है। शेष शेयरधारिता सिडको (सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के पास है। यह साझेदारी एयरपोर्ट के तेजी से विकास में मदद कर रही है।

भारत ने जबरन श्रम से बने सामान के आयात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सरकार ने जबरन श्रम का उपयोग करके बनाए गए सामान के आयात पर रोक लगा दी है। यह कदम अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की ओर से 60 देशों में जबरन श्रम प्रथाओं की जांच के बीच आया है। इन देशों में भारत भी शामिल है। विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2023 में संशोधन करते हुए वाणिज्य महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक नया अनुच्छेद जोड़ा है। इसके तहत, जबरन श्रम के उपयोग से पूर्ण या आंशिक रूप से उत्पादित या निर्मित सामान का आयात प्रतिबंधित है। यह अधिसूचना 13 जुलाई को जारी हुई थी। अधिसूचना के प्रावधान आधिकारिक राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से 30 दिन बाद प्रभावी होंगे। यह विकास अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि द्वारा जबरन श्रम से संबंधित चिंताओं को लेकर 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ धारा 301 जांच शुरू करने के बीच हुआ है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने आरोप लगाया है कि इन देशों ने जबरन श्रम से बने सामान के आयात पर प्रतिबंध लागू नहीं किया है। 3 जून को अमेरिका ने 54 देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, पर 12.5 फीसदी शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया था। यह प्रस्ताव जबरन श्रम से उत्पादित सामान के आयात पर रोक लगाने में कथित विफलता के कारण था। कनाडा, इक्वाडोर, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, मैक्सिको और पाकिस्तान जैसे छह देशों को अतिरिक्त 10 फीसदी आयात शुल्क का सामना करना पड़ेगा। वाणिज्य महानिदेशालय ने विदेश व्यापार नीति 2023 के अध्याय 11 (परिभाषा) के तहत एक नया पैरा जोड़ा है। इसके अनुसार, जबरन श्रम का अर्थ वह सभी कार्य या सेवा है।

स्पेन की जीत के बाद कोच फुएंते ने खोला सफलता का राज, डेशां बोले- हम अपने स्तर पर नहीं खेल पाए

अटलांटा,एजेंसी। स्पेन ने फीफा विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2–0 से हराकर 16 साल बाद विश्व कप फाइनल में जगह बना ली। डलास स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो के गोलों की बदौलत स्पेन ने शुरुआत से अंत तक मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। जीत के बाद जहां स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने टीम की एकजुटता को सफलता का सबसे बड़ा कारण बताया, वहीं फ्रांस के कोच डिडिएर डेशॉ ने माना कि उनकी टीम अपने सामान्य स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सकी। मैच के बाद डे ला फुएंते ने कहा कि उनकी टीम पिछले चार वर्षों से एक स्पष्ट योजना के साथ काम कर रही है और अब उसका परिणाम दुनिया देख रही है। उन्होंने कहा, श्हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ काम शुरू किया था और पूरे समय उसी पर भरोसा बनाए रखा। आज हम दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक फ्रांस के खिलाफ खेले, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। हमारे खिलाड़ियों ने हर दिन अपनी मेहनत, समर्पण, एकजुटता और प्रतिभा का परिचय दिया है।

स्पेन के कोच ने कहा कि उनकी टीम की सबसे बड़ी ताकत किसी एक खिलाड़ी का प्रदर्शन नहीं, बल्कि पूरा समूह है। उन्होंने खुलासा किया कि जो खिलाड़ी सेमीफाइनल में नहीं खेले, वे भी मैच खत्म होने के बाद अभ्यास करने के लिए मैदान पर रुके रहे।

उन्होंने कहा, श्हमने 2010 वाले विश्व कप जैसा उत्साह और विश्वास फिर से हासिल कर लिया है। हमारी टीम का जज्बा इस बात से समझा जा सकता है कि जो खिलाड़ी सेमीफाइनल में नहीं खेले, वे भी मैच खत्म होने के बाद अभ्यास करने के लिए मैदान पर रुके रहे। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। एमबाप्पे जैसे स्टार खिलाड़ी को पूरे मैच में प्रभावी नहीं होने देने पर डे ला फुएंते ने कहा, फ्रांस दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक है, लेकिन हमने अनुशासन और टीमवर्क के दम पर उनके शॉट्स को रोका। जब पूरी टीम एकजुट होकर खेलती है, तब उसे हराना बेहद मुश्किल हो जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि जीत के बाद स्पेन के राजा फेलिप षष्ठम ने ड्रेसिंग रूम में फोन कर पूरी टीम को बधाई दी। हालांकि, उन्होंने साफ कहा कि फाइनल में पहुंचना अंतिम लक्ष्य नहीं है। फुएंते ने कहा, हमने एक बड़ा कदम जरूर उठाया है, लेकिन सबसे कठिन चुनौती अभी बाकी है। हमारा सपना विश्व कप जीतना और ट्रॉफी अपने नाम करना है।

दूसरी ओर फ्रांस के कोच डिडिएर डेशॉ ने हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम तकनीकी और आक्रामक दोनों मोर्चों पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, जाहिर है कि हम बहुत निराश हैं। हमारा लक्ष्य फाइनल में पहुंचना था, लेकिन हमें यह मानना होगा कि स्पेन ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बनाए रखा। खिलाड़ी बहुत दुखी हैं क्योंकि हमारी उम्मीदें बहुत ऊंची थीं। हम तकनीकी रूप से अपने सामान्य स्तर से नीचे थे। डेशॉ ने स्पेन की रक्षापंक्ति की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने माना कि किलियन एमबाप्पे को पूरे मैच में खुलकर खेलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, श्स्पेन ने बेहतरीन डिफेंस किया और हमें बहुत कम जगह दी। हम सही समाधान नहीं खोज सके और हमारी तकनीकी गलतियों ने हमारी मुश्किलें और बढ़ा दीं। मैच के दौरान फ्रांस को तब झटका लगा जब डिफेंडर विलियम सालिबा चोटिल होकर बाहर हो गए। हालांकि डेशॉ ने कहा कि खिलाड़ी को जोखिम में नहीं डालना चाहते थे, इसलिए उन्हें बदलने का फैसला लिया गया। स्पेन अब 19 जुलाई को विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। वहीं फ्रांस को तीसरे स्थान के मुकाबले में उतरना होगा। डेशॉ ने अपने भविष्य पर कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि फिलहाल टीम की हार को स्वीकार करना और स्पेन को बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई देना ही सबसे जरूरी है।

इंग्लैंड-अर्जेंटीना सेमीफाइनल में किसका चलेगा जादू ? छह खिलाड़ी जिन पर रहेंगी नजरें, कौन दिलाएगा फाइनल का टिकट ?

अटलांटा,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल सिर्फ दो दिग्गज टीमों के बीच मुकाबला नहीं, बल्कि दुनिया के कुछ सबसे बड़े फुटबॉल सितारों की टक्कर भी होगा। अटलांटा में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले इस हाई–वोल्टेज मुकाबले में लियोनल मेसी, जूड बेलिंगहम, हैरी केन और कई अन्य स्टार खिलाड़ियों पर दुनिया की नजरें टिकी रहेंगी। दोनों टीमें 24 साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में आमने–सामने होंगी और फाइनल का टिकट इन्हीं खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। बेलिंगहम ने क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ दो गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। इससे पहले उन्होंने प्री–क्वार्टर फाइनल में मेक्सिको के खिलाफ भी दो गोल किए थे। इंग्लैंड के कप्तान और रूस 2018 के गोल्डन बूट विजेता हैरी केन एक बार फिर शानदार लय में हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 6 गोल और 1 असिस्ट किए हैं तथा 627 मिनट खेले हैं। बार्सिलोना से जुड़े युवा विंगर एंथनी गॉर्डन ने भले ही अभी तक कोई गोल नहीं किया हो, लेकिन टीम के आक्रमण में उनकी भूमिका बेहद अहम रही है। गॉर्डन ने अब तक 3 असिस्ट किए हैं और 327 मिनट मैदान पर बिताए हैं। नॉर्वे के खिलाफ उन्होंने बेलिंघम के पहले गोल में असिस्ट दिया, जबकि मेक्सिको के खिलाफ पेनल्टी भी दिलाई। मौजूदा विश्व चैंपियन

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी एक बार फिर शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस विश्व कप में 8 गोल और 2 असिस्ट किए हैं तथा 608 मिनट खेले हैं। मेसी ने टूर्नामेंट की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक से की थी। इसके बाद वह ऑस्ट्रिया, जॉर्डन, केप वर्डे और मिस्र के खिलाफ भी गोल कर चुके हैं।

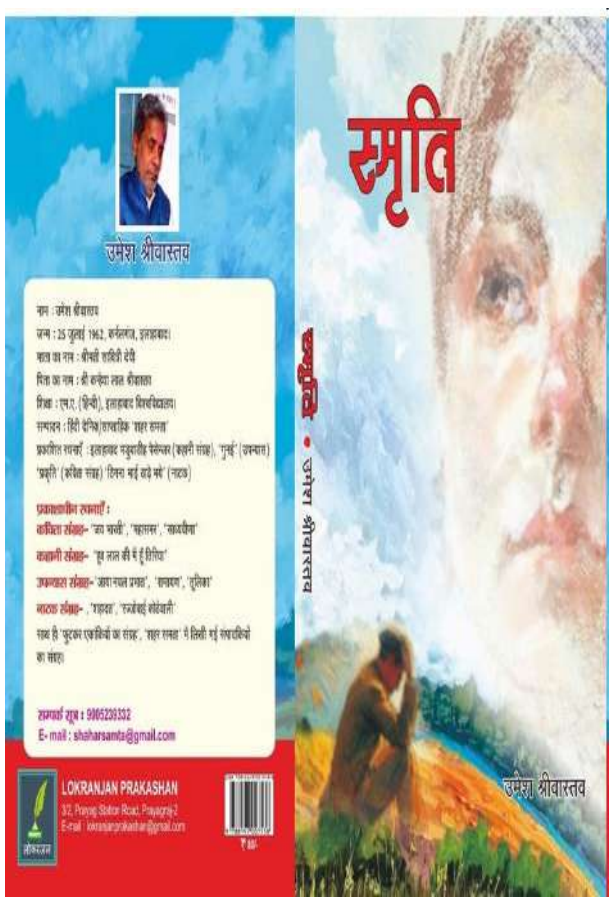

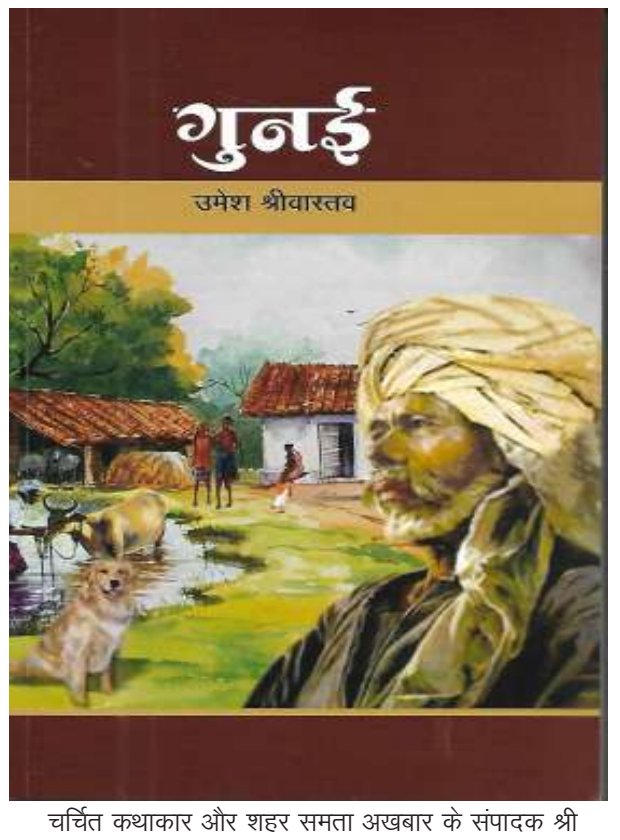

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

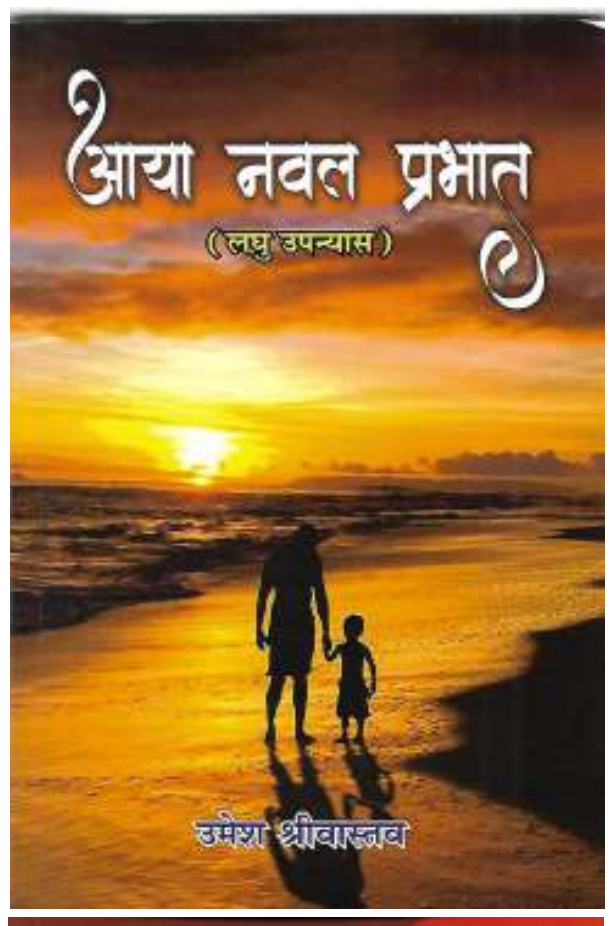

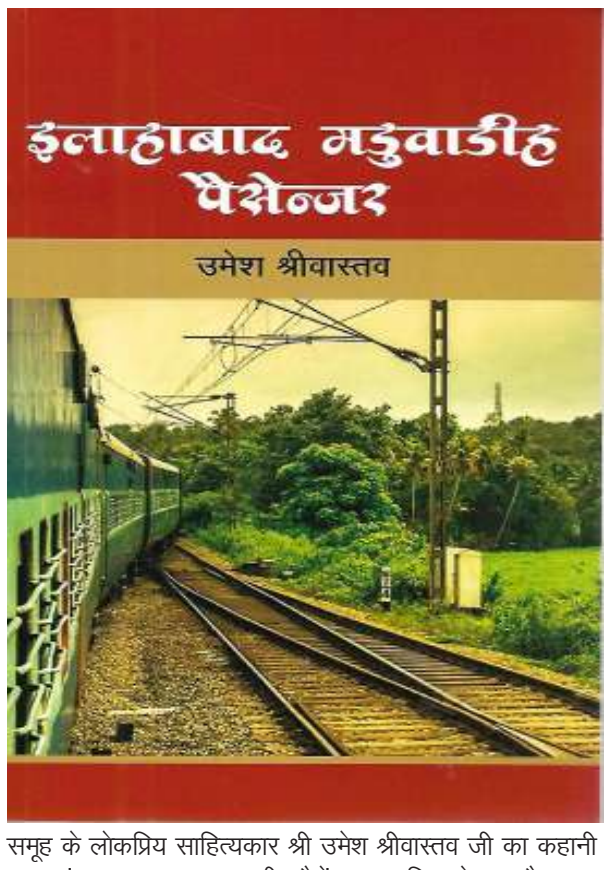

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

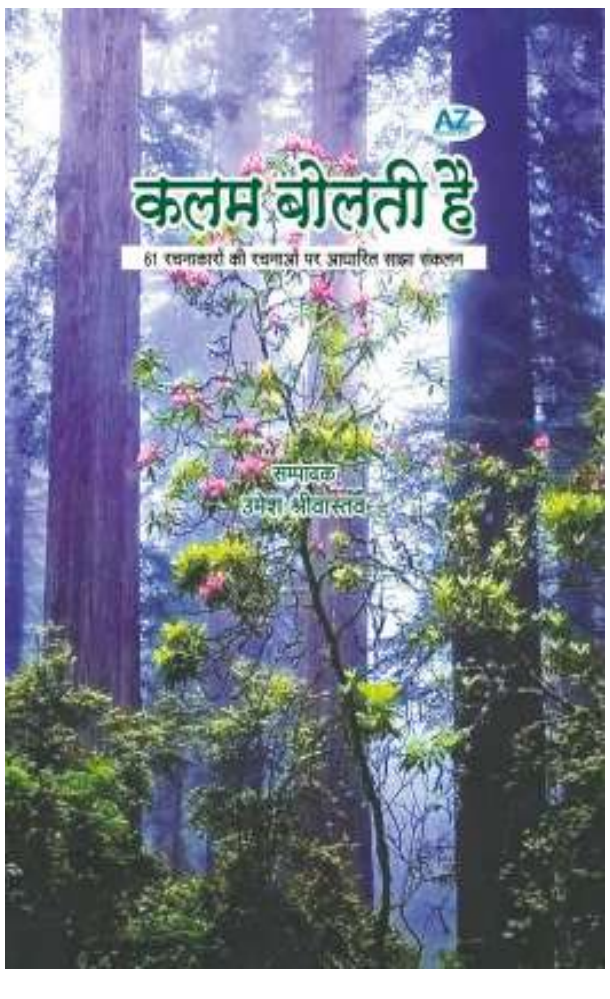

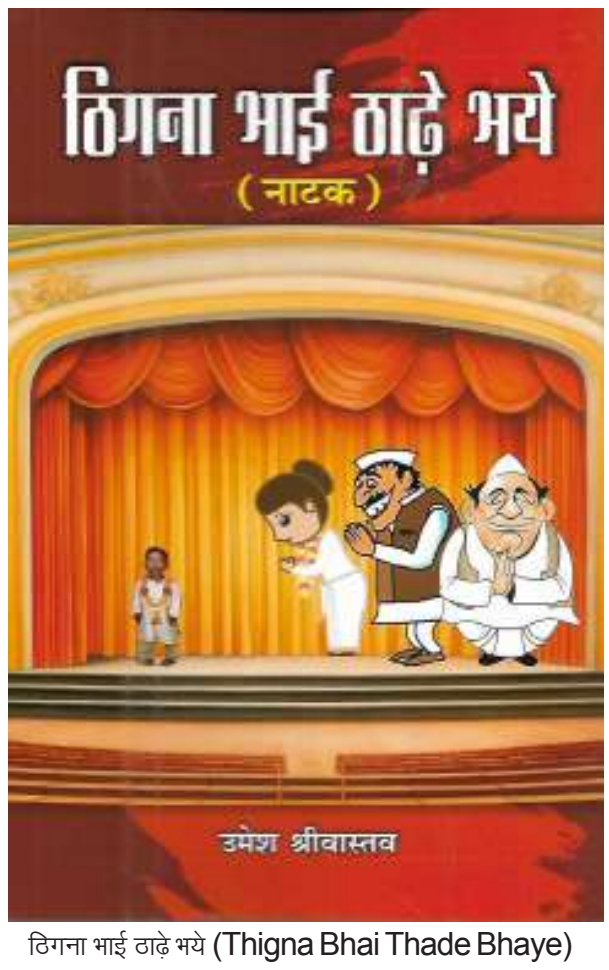

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

30 से ज्यादा मौतें, 260 से ज्यादा घायल...अमेरिकी हमले से ईरान में भारी तबाही, क्या अब और भड़केगा युद्ध?

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों से इस्लामिक गणराज्य में भारी तबाही हुई है। ईरानी

सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने बुधवार को बताया कि ईरान पर अमेरिका द्वारा किए गए हवाई हमलों में हाल के दिनों में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई है। हालांकि, फातेमेह मोहाजेरानी ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने 30 से अधिक मौतों का आंकड़ा किस अवधि के दौरान का दिया है। ईरान की सरकार की तरफ से यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि रातभर हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अमेरिकी हमले में दक्षिण–पूर्वी ईरान में सात सैनिकों की मौत

ईरानी सेना ने कहा है कि इरानशहर के बम्पूर गैरीसन पर हुए अमेरिकी हमले में उसके सात सैनिकों की मौत हुई है। साथ ही ईरानी सेना ने कहा कि सही समय आने पर इस हमले का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। सेना ने इस हमले को कायरतापूर्ण आक्रामकता करार दिया है। सेना के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने बम्पूर स्थित सैन्य बैरक पर 13 मिसाइलें दागीं। इस हमले में 388वीं ब्रिगेड के सात सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। ईरानी सेना ने दावा किया कि शनिष्क्रिय रक्षा उपायोंश की वजह से जनहानि को सीमित रखने में मदद मिली। सेना का आरोप है कि अमेरिकी हमलों का उद्देश्य अधिकतम जनहानि पहुंचाना था। इसके तहत सैन्य अड्डे के गेस्ट हाउस, सुरक्षा चौकियों और आवासीय सुविधाओं को निशाना बनाया गया। अमेरिकी हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल भी ईरान पर अमेरिका द्वारा रातभर किए गए ताजा हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को दी। हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के दौरान हुए किसी भी अन्य हमले की तुलना में इस बार घायलों की संख्या कहीं अधिक बताई गई है। दोनों देशों के बीच फारस की खाड़ी के प्रवेश द्वार माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर तनाव बना हुआ है। दुनिया में समुद्री मार्ग से होने वाले तेल और प्राकृतिक गैस के कारोबार का बड़ा हिस्सा इसी रणनीतिक जलमार्ग से होकर गुजरता है।

यूएन में भारत की दो-टूक: 80 साल पुरानी व्यवस्था बदलने की उठाई मांग, कहा- सुरक्षा परिषद में अब सुधार जरूरी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारत ने मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में व्यापक सुधारों के लिए अपनी मांग दोहराई। इसके साथ ही बहुपक्षवाद को भविष्य के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुध

ार, महासभा को पुनर्जीवित करने और आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) की भूमिका को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। राजदूत हरीश परवथानेनी ने क्या कहा? भविष्य के लिए समझौते की समीक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा की अनौपचारिक बैठक के दौरान बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनानाश विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथानेनी ने कहा, श्भारत के लिए, बहुपक्षवाद को भविष्य के अनुरूप बनाने की शुरुआत यह सुनिश्चित करने से होती है कि वैश्विक संस्थाएं समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। उन्होंने आगे कहा कि यह सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार, महासभा के पुनरुद्धार और आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय तीनों आयामों में सतत विकास को आगे बढ़ाने में ईसीओएसओसी की मजबूत भूमिका की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। संघर्षों को लेकर क्या कहा? उन्होंने कहा, श्संयुक्त राष्ट्र के बारे में जनता की धारणा हाल के दिनों में प्रतिकूल रूप से बदल गई है, जिसका मुख्य कारण विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों में सुरक्षा परिषद की सार्थक हस्तक्षेप करने में असमर्थता है। सुरक्षा परिषद प्रभावित आबादी के बीच मानवीय पीड़ा को समाप्त करने में अप्रभावी रही है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का मूल सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना सवालों के घेरे में आ गया है। परिषद की कमियां का क्या कारण? उन्होंने तर्क दिया कि परिषद की कमियां इसकी पुरानी संरचना के कारण हैं। उन्होंने कहा, श्सुरक्षा परिषद की कमियों का मूल कारण स्पष्ट है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रूस ने अपने जिस गोपनीय डूम्सडे विमान को ईरान भेजा, वह कितना खास, अमेरिकी प्रलय विमान से कितना अलग ?

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान का संघर्ष एक बार फिर अपने चरम पर पहुंच रहा है। बीते तीन दिनों से जहां अमेरिकी वायुसेना ने ईरान के कई बंदरगाहों और शहरों में स्थित हथियारों के अड्डों को निशाना बनाने का दावा किया है तो वहीं ईरान की तरफ से भी पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला बोला गया है। फरवरी से जून तक चले युद्ध और फिर संघर्ष विराम के बाद अब दोनों ही देश पिछली बार की तरह ही एक–दूसरे से भिड़े हैं। हालांकि, जहां पिछली बार किसी भी देश ने प्रत्यक्ष या परोक्ष तौर पर ईरान का समर्थन या मदद नहीं की थी तो वहीं इस बार रूस ने अपने एक डूम्सडे एयरक्राफ्ट (प्रलय विमान) को ईरान भेजा है। बताया गया है कि रूस ने अपना टीयू 214पीयू विमान ईरान की मदद के लिए भेजा है। फ्लाइट डेटा के मुताबिक, यह विमान रूस के नुकोवो एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद कैस्पियन सागर से होता हुआ तेहरान के इमाम खोमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंच गया। इस घटनाक्रम ने कई युद्ध के मामलों के विशेषज्ञों को चौंका दिया। दरअसल, रूस की तरफ से अब तक अमेरिका–ईरान युद्ध में ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया था। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर यह डूम्सडे विमान क्या होते हैं, जिन्हें लेकर पूरी दुनिया में कौतूहल है? इन विमानों की खासियत क्या होती है? और किन देशों के पास डूम्सडे विमान मौजूद हैं? अमेरिका–ईरान संघर्ष के बीच रूस की तरफ से अपना डूम्सडे विमान ईरान क्यों भेजा गया है? इसके अलावा अमेरिका और रूस के सबसे खतरनाक डूम्सडे एयरक्राफ्ट्स की क्या तुलना है, यह कितने अलग हैं? ईरान युद्ध के बीच अमेरिकी डूम्सडे विमान को कब–कहां देखा गया? आइये जानते हैं... क्या होते हैं डूम्सडे एयरक्राफ्ट यानी प्रलय विमान? डूम्सडे एयरक्राफ्ट खास तौर से डिजाइन किए गए सैन्य विमान होते हैं, जिनका मुख्य मकसद परमाणु युद्ध, वैश्विक संघर्ष या किसी बड़े पैमाने पर आने वाली आपदा के दौरान सशस्त्र बलों को नियंत्रित करना और देश के शीर्ष राजनीतिक व सैन्य नेतृत्व को सुरक्षित निकालना होता है। इन्हें अनौपचारिक रूप से उड़ते हुए सैन्य मुख्यालय या फ्लाइंग कमांड सेंटर भी कहा जाता है। इन्हें मूलतः उस स्थिति के लिए बनाया जाता है, जब जमीन पर मौजूद बुनियादी ढांचे और कमांड सेंटर नष्ट हो जाएं या काम करना बंद कर दें। उस स्थिति में ये विमान हवा से ही सैन्य बलों और सरकारी कार्यों का निरंतर संचालन सुनिश्चित कर सकता है। क्या होती है डूम्सडे विमान की खासियत? परमाणु हमले और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक हमलों से सुरक्षारू इन विमानों को साधारण बम के हमलों से लेकर परमाणु विस्फोट तक को झेलने के लिहाज से तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं इन्हें परमाणु रेडिएशन, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स (ईएमपी) के विनाशकारी प्रभावों को झेलने के लिए विशेष रूप से सुरक्षित किया जाता है। विमान में खिड़कियां नहींरू कॉकपिट को छोड़कर इन विमानों के केबिन में कोई खिड़की नहीं होती है। इससे अंदर बैठे लोगों को परमाणु विस्फोट की तीव्र चमक और कठोर वातावरणीय परिस्थितियों से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उन्नत और सुरक्षित संचार प्रणालियांरू डूम्सडे विमानों में सैटेलाइट और रणनीतिक संचार के ऐसे उपकरण होते हैं जो इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और जैमिंग का सामना कर सकते हैं। इसके अलावा, साइबर हमलों से बचने के लिए इनके क्रू अक्सर पारंपरिक एनालॉग उड़ान उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। लंबे समय तक उड़ान की क्षमतारू मिड–एयर रिफ्यूलिंग (हवा में ही ईंधन भरने) की क्षमता से लैस ये विमान बहुत लंबे समय तक आसमान में उड़ान भर सकते हैं और कई दिनों तक इसमें सवार लोगों के लिए जीवन रक्षक प्रणाली सुनिश्चित करते हैं। इतना ही नहीं इस प्रलय विमान में सैकड़ों लोगों के लिए कई दिनों के खाने, रहने और अन्य व्यवस्थाएं भी की जाती हैं। परमाणु हथियारों का नियंत्रणरू इन विमानों के जरिए इसे इस्तेमाल करने वाले नेता हवा से ही दुनिया भर में तैनात अपने सैन्य बलों, परमाणु मिसाइलों और पनडुब्बियों को लॉन्च करने के आदेश दे सकते हैं।

खर्ग द्वीप बनेगा युद्ध का मैदान: ईरान के तेल ठिकानों पर हमले से क्यों पीछे हटा अमेरिका ? ट्रंप ने बताया प्लान

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी सेना को ईरान के खर्ग द्वीप स्थित तेल प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाने का निर्देश दिया था, क्योंकि उनका मानना है कि इन पर हमला वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, उन्होंने ईरान में सीमित जमीनी सैन्य अभियान चलाने या भविष्य में रणनीतिक महत्व वाले इस द्वीप पर नियंत्रण करने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर दो या तीन बार हमले किए, लेकिन तेल प्रतिष्ठानों को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया। खर्ग द्वीप पर हमले से इनकार नहीं किया

ट्रंप ने कहा, सब कुछ निशाना बनाओ, लेकिन तेल को मत छुओ। उस छोटे से हिस्से को छोड़ दो। तेल प्रतिष्ठानों को हाथ मत लगाना। मैं वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका असर नहीं चाहता। यह दुनिया की अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा है।श ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका चाहे तो भविष्य में तेल प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा, श्हमने अब तक उन्हें निशाना नहीं बनाया है, लेकिन किसी समय ऐसा कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी संभावना कम है। खर्ग द्वीप पर नियंत्रण करने के सवाल पर ट्रंप ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। इंटरव्यू के दौरान पत्रकार ने 1988 में दिए गए ट्रंप के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर किसी अमेरिकी सैनिक या जहाज पर हमला हुआ तो वह खर्ग द्वीप पर कब्जा कर लेंगे। इस पर ट्रंप ने कहा, श्मैं इस बारे में अभी कुछ नहीं कह सकता। अगर कहूंगा तो यह समझदारी नहीं होगी।श हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि अगर ईरान की सैन्य क्षमता को और अधिक कमजोर कर दिया गया तो खर्ग द्वीप पर कब्जे की संभावना पर विचार किया जा सकता है।

ईरान में सेना उतारने पर क्या बोले ट्रंप? जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सीमित स्तर पर जमीनी सैन्य अभियान की संभावना को पूरी तरह खारिज कर रहे हैं, तो ट्रंप ने इससे इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, श्मैं ऐसा भी नहीं कहना चाहता। कभी–कभी जमीनी अभियान की जरूरत पड़ती है, लेकिन हमारे पास ऐसे लोग हैं जो हमारी ओर से यह अभियान चलाएंगे।श हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनका इशारा किन बलों या सहयोगियों की ओर था। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य अभियान से ईरान को इतना नुकसान पहुंचा है कि उसे इससे उबरने में करीब 20 साल लग जाएंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक वह खुद उन्हें रोकने का फैसला नहीं करते। खर्ग द्वीप फारस की खाड़ी में ईरान के तट के पास स्थित है और लंबे समय से देश के कच्चे तेल के निर्यात का प्रमुख केंद्र रहा है। इस द्वीप पर किसी भी तरह का हमला अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति और कच्चे तेल की कीमतों को प्रभावित कर सकता है। इसका असर भारत समेत एशिया के प्रमुख तेल आयातक देशों पर भी पड़ सकता है।

ट्रंप का दावा– ईरान ने समझौते की इच्छा जताई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फॉक्स न्यूज को दिए गए उनके इंटरव्यू से करीब एक घंटे पहले ईरानी प्रतिनिधियों ने अमेरिका से संपर्क किया था और संकेत दिया था कि तेहरान समझौता करना चाहता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका की ओर से ईरान पर हमले लगातार जारी हैं। ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस में इंटरव्यू से कुछ समय पहले उनके प्रतिनिधियों ने ईरानी अधिकारियों से बातचीत की थी। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने आखिरी बार किसी ईरानी अधिकारी से कब बात की थी, तो ट्रंप ने कहा, श्मैंने सीधे नहीं, लेकिन मेरे प्रतिनिधियों ने बात की है। वास्तव में करीब एक घंटे पहले भी उन्होंने बातचीत की थी। ट्रंप ने दावा किया कि, वे समझौता करना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने तेहरान पर बार–बार समझौतों से पीछे हटने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि इस बार की बातचीत किसी नतीजे तक पहुंचेगी। उन्होंने आगे कहा, हम नागरिक आबादी को लेकर बेहद सावधानी बरत रहे हैं, लेकिन मैंने कहा है कि बेहतर होगा आप समझौता कर लें, नहीं तो आपके पास कुछ भी नहीं बचेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सैन्य दबाव बढ़ने के बीच ईरान के पास बातचीत की मेज पर लौटने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

`ईरान बातचीत करे नहीं तो कुछ नहीं छोड़ेंगे', ट्रंप की धमकी- जल्द पावर प्लांट और पुलों पर करेंगे हमले

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटा तो अमेरिका अगले हफ्ते से ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों को निशाना बनाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर तेहरान, वॉशिंगटन के साथ समझौता करने में विफल रहता है तो उसके पास कुछ नहीं बचेगा। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया कि अगर वार्ता दोबारा शुरू नहीं होती है तो अमेरिका आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज करेगा। ईरान के पावर प्लांट और पुलों को तबाह करने की धमकी ट्रंप ने कहा, श्हम कल रात उन्हें बहुत जोरदार तरीके से निशाना बनाएंगे। उसके अगले दिन भी कड़ा हमला करेंगे और फिर अगले हफ्ते उनके लिए हालात और खराब हो जाएंगे। अगले हफ्ते बिजली संयंत्रों की बारी आएगी। अगर वे बातचीत की मेज पर आकर बातचीत नहीं करते तो अगले हफ्ते पुलों की बारी आएगी। हम उनके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों को तबाह कर देंगे। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और दोनों देश एक दूसरे के ठिकानों पर हमले कर रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों के बीच संपर्क बना हुआ है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि जब तक ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर समुद्री यातायात पर प्रतिबंध जारी रखेगा, तब तक बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती। ईरान के खिलाफ कब तक जारी रहेगा सैन्य अभियान?

ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान कब तक जारी रहेगा? इस सवाल पर ट्रंप ने कहा कि हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक वह उन्हें रोकने का फैसला नहीं करते। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान में जमीनी सेना भेजने की संभावना से भी पूरी तरह इनकार नहीं किया। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि वह अन्य विकल्पों को प्राथमिकता देना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, कभी–कभी जमीनी अभियान की जरूरत पड़ती है, लेकिन हमारे पास ऐसे लोग हैं जो हमारी ओर से जमीनी अभियान चलाएंगे। ट्रंप ने तेहरान पर समझौते का दबाव बढ़ाते हुए कहा कि यदि ईरान ने समझौता नहीं किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

उन्होंने कहा, बेहतर होगा कि आप समझौता कर लें। नहीं तो आपके पास कोई नहीं बचेगा। अमेरिका का दावा– होर्मुज में नौसैनिक नाकेबंदी फिर शुरू की ट्रंप ने ये भी कहा कि अमेरिका नागरिकों के हताहत होने की आशंका को कम करने के लिए ज्यादा सावधानी बरत रहा है। उन्होंने कहा, श्हम नागरिक आबादी को लेकर बेहद सावधानी बरत रहे हैं। लेकिन मैंने कहा है कि बेहतर होगा आप (ईरान) समझौता कर लें। नहीं तो आपके पास कुछ भी नहीं बचेगा।श इससे पहले दिन में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया था कि उसने ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने–जाने वाले जहाजों को निशाना बनाते हुए अपनी नौसैनिक नाकेबंदी फिर से शुरू कर दी है।

भारत के सहयोग से नेपाल में बौद्ध साधना भवन का शिलान्यास, सोलुखुम्बु में हो रहा निर्माण

काठमांडो, एजेंसी। भारत के सहयोग से नेपाल के कोशी प्रदेश के सोलुखुम्बु जिले की लिखु पिके ग्रामपालिका में बौद्ध साधना (गुम्बा) भवन का मंगलवार को शिलान्यास किया गया। लगभग 3.3 करोड़ नेपाली रुपये की लागत वाला यह गुम्बा भवन भारत सरकार की वित्तीय सहायता से उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना के तहत निर्मित किया जाएगा। यह नेपाल के सोलुखुम्बु जिले में इस प्रकार की छठी उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना है। लिखु पिके ग्रामपालिका की अध्यक्ष मीना कार्की बस्नेत और काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के द्वितीय सचिव अजय कुमार सिंह ने गुम्बा भवन की संयुक्त रूप से आधारशिला रखी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने नेपाल में भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे । विकास सहयोग की सराहना की। भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच निकट पड़ोसी होने के नाते बहुआयामी और बहुक्षेत्रीय सहयोग है।

ईरान पर US का बड़ा आरोप, सात कारोबारी जहाजों पर हमले का दावा भारतीय नाविक भी हुए प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि पिछले सात दिनों में ईरान

ने सात वाणिज्यिक (कमर्शियल) जहाजों को निशाना बनाया, जिससे करीब एक दर्जन नागरिक चालक दल (क्रू) के सदस्य मारे गए, लापता हुए या घायल हुए हैं। अमेरिका ने कहा कि इन घटनाओं के लिए वह ईरान को जिम्मेदार मानता है। सेंटकॉम के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने बयान जारी कर कहा कि ईरानी बलों ने जानबूझकर नागरिक जहाजों को निशाना बनाया है। उनके मुताबिक, पिछले एक सप्ताह में ईरान ने सात कारोबारी जहाजों पर हमले किए। इसके अलावा ईरान ने पड़ोसी खाड़ी देशों की ओर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन भी दागे। उन्होंने कहा कि अमेरिका निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डालने वाली ईरान की आक्रामक गतिविधियों के लिए उसे जवाबदेह ठहरा रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ा तनाव

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और जहाजों की आवाजाही को बाधित कर रहा है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे व्यस्त तेल और व्यापारिक मार्गों में से एक माना जाता है। सेंटकॉम ने बताया कि उसने ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने–जाने वाले जहाजों पर नौसैनिक नाकेबंदी फिर से शुरू कर दी है। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कदम ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए उठाया गया है, जिनका इस्तेमाल व्यापारिक जहाजों पर हमलों में किया जा रहा है। अमेरिका के अनुसार, इस अभियान के तहत क्षेत्र में 20 से अधिक अमेरिकी युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान तैनात किए गए हैं। भारत ने जताई चिंता इस बीच भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो जहाजोंय एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासाय पर हुए हमले पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

इन दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यूएई के झंडे वाले टैंकर मोम्बासा और बहियाह को होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी हिस्से में, ओमान के क्षेत्रीय जल में, ईरानी क्रूज मिसाइलों से निशाना बनाया गया।

इन घटनाओं के बाद पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। समुद्री व्यापार, तेल आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच टकराव और तेज होने की आशंका भी जताई जा रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।